

दैनिक

गाजियाबाद से प्रकाशित हिन्दी दैनिक

वेलकम इंडिया

RNI NO. UPHIN/2018/76874

नये भारत की नई सोच

वर्ष: 07 अंक: 280

मंगलवार, 20 अक्टूबर-2026 (गाजियाबाद)

पेज-8

मूल्य-एक रुपया

नारी गरिमा से खिलवाड़ स्वीकार नहीं: सीएम योगी

विजयादशमी पर समाज को तोड़ने वाली शक्तियों को करें बेनकाब: मुख्यमंत्री

वेलकम इंडिया, नेटवर्क

गोरखपुर। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि जो समाज जगत जननी मां भगवती का उपासक है, वहां नारी गरिमा के विपरीत आचरण की कोई जगह नहीं हो सकती। सनातन परंपरा ने सदैव मातृशक्ति की सुरक्षा, सम्मान और गरिमा को सर्वोच्च स्थान दिया है। नवरात्रि में कन्याओं का पूजन इसी भाव का प्रतीक है। सरकार ने इस परंपरा को केवल धार्मिक अनुष्ठानों तक सीमित नहीं रखा, बल्कि नारी सुरक्षा, सम्मान और स्वावलंबन को शासन-प्रशासन की कार्यप्रणाली का हिस्सा बनाया है। मिशन शक्ति अभियान इसी संकल्प से प्रेरित है। मुख्यमंत्री सोमवार को शारदीय नवरात्रि की महानवमी पर गोरखनाथ मंदिर में कन्या पूजन के बाद पत्रकारों से बातचीत कर रहे थे।

मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि जगत जननी मां भगवती का नवम स्वरूप सभी सिद्धिदा प्रदान करने वाला है।

- 2017 में यूपी पुलिस में थीं महज 10 हजार महिलाएं, अब करीब 45 हजार महिला पुलिसकर्मी दे रहीं सेवाएं
- विंध्यवासिनी धाम में एक दिन में 25 लाख से अधिक श्रद्धालुओं ने किए दर्शन, प्रदेश में 45 हजार स्थानों पर सजे दुर्गा पूजा पंडाल

महानवमी पर कन्या पूजन के माध्यम से सनातन धर्मावलंबी मातृशक्ति के प्रति अपनी श्रद्धा व्यक्त करते हैं। बासंतिक और शारदीय नवरात्रि की परंपरा नारी के प्रति सर्वोच्च सम्मान का संदेश देती है। गोरखनाथ मंदिर की इस पावन परंपरा से जुड़कर कन्याओं का पूजन और उन्हें भोजन कराने का अवसर मिलना उनका सौभाग्य है। उन्होंने कहा कि नारी सुरक्षा



सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में है। प्रदेश के प्रत्येक थाने में महिला हेल्प डेस्क स्थापित की गई है। महिलाओं की समस्याओं के समाधान के लिए अलग कक्ष की व्यवस्था है, जहां महिला बीट पुलिस अधिकारी अथवा उपनिरीक्षक स्तर की महिला अधिकारी उनकी समस्याएं सुनती हैं। महिलाओं की सहायता के लिए 1090 हेल्पलाइन भी संचालित है।



मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि वर्ष 2017 तक उत्तर प्रदेश पुलिस में लगभग 10 हजार महिला कर्मिक थीं। आज यह संख्या बढ़कर करीब 45 हजार हो गई है। पुलिस भर्ती में महिलाओं के लिए 20 प्रतिशत सीटें आरक्षित की गई हैं। महिला पुलिसकर्मी प्रदेश में बेहतर सुरक्षा का माहौल बनाने में महत्वपूर्ण योगदान दे रही हैं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र

मोदी जी की प्रेरणा से बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ, मातृ वंदना योजना और नारी शक्ति वंदन अधिनियम, नारी गरिमा तथा स्वावलंबन को नई दिशा दे रहे हैं। मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला योजना के तहत बेटी के जन्म से स्नातक तक की शिक्षा के लिए विभिन्न चरणों में 25 हजार रुपये उपलब्ध कराए जा रहे हैं। सीएम योगी ने कहा कि मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना

विजयादशमी पर सामाजिक बुराइयों के दहन का लें संकल्प

मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि मंगलवार को विजयादशमी का पर्व मनाया जाएगा। यह अधर्म, असत्य और अन्याय पर धर्म, सत्य और न्याय की विजय का उत्सव है। प्रभु श्रीराम की विजय का यह पर्व समाज को बुराइयों से मुक्त होने का संदेश देता है। रावण, कुंभकर्ण और मेघनाद के पुतलों के साथ नशे, भ्रष्टाचार, अराजकता, असुरक्षा और आतंकवाद जैसी बुराइयों के खाले का भी संकल्प लेना चाहिए। उन्होंने समाज की एकता को भंग कर राष्ट्र को कमजोर करने का प्रयास करने वाले अराजक तत्वों को बेनकाब करने का आह्वान किया। कहा कि विजयादशमी पर रामलीला और पुतला दहन के आयोजनों के लिए व्यापक तैयारियों की गई हैं। यातायात प्रबंधन और सुरक्षा के साथ सभी निर्धारित मानकों का पालन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं। पर्व उत्साह और उमंग से मनाए, लेकिन अनुशासन और सुरक्षा की अनदेखी न करें। मुख्यमंत्री ने प्रदेशवासियों को महानवमी की बधाई देते हुए मां भगवती से सभी के सुख और समृद्धि की कामना की। विजयादशमी की अंतिम शुभकामनाएं देते हुए कहा कि पर्व केवल उत्सव मनाने का अवसर नहीं, बल्कि समाज को नशे, भ्रष्टाचार, अराजकता और विभाजनकारी प्रवृत्तियों से मुक्त करने का संकल्प लेने का भी अवसर है।

के तहत एक लाख रुपये की सहायता दी जा रही है। अब तक पांच लाख से अधिक कन्याओं के विवाह इस योजना के माध्यम से संपन्न हो चुके हैं। प्रदेश में 54 हजार बीसी सखी ग्राम पंचायतों में बैंकिंग सेवाएं उपलब्ध करा रही हैं। झोन दीदी और लखपति दीदी जैसे कार्यक्रमों से भी महिलाओं को आगे बढ़ने के अवसर मिल रहे हैं। सरकार बेटियों की शिक्षा, प्रशिक्षण

और आत्मनिर्भरता के लिए लगातार काम कर रही है। मुख्यमंत्री ने बताया कि शारदीय नवरात्रि में प्रदेश के लगभग 45 हजार स्थानों पर दुर्गा पूजा पंडाल स्थापित किए गए हैं। देवी मंदिरों और शक्तिपीठों में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ रही है। मां विंध्यवासिनी धाम में कारिडोर निर्माण के बाद श्रद्धालुओं की संख्या में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। रविवार को 25 लाख से

अधिक श्रद्धालुओं ने दर्शन-पूजन किया। सोमवार को भी 20 से 25 लाख श्रद्धालुओं के पहुंचने का अनुमान है। उन्होंने बताया कि शक्तिपीठ देवीपाटन, सहारनपुर स्थित मां शारंगभरी पीठ और सीतापुर के ललित देवी शक्तिपीठ में भी बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंच रहे हैं। शासन-प्रशासन ने दर्शनार्थियों की सुविधा, सुरक्षा और सुगम आवागमन के लिए व्यापक प्रबंध किए हैं।

बंबई उच्च न्यायालय का अहम फैसला, प्रदर्शन शांतिपूर्ण हो और अपराधियों को जगह न मिले

वेलकम इंडिया, नेटवर्क

मुंबई। बंबई उच्च न्यायालय ने सोमवार को कहा कि शांतिपूर्ण प्रदर्शन करना मौलिक अधिकार है लेकिन पुलिस की कार्रवाई पर व्यापक रोक लगाने का आदेश देने से पहले प्रदर्शनकारियों की पृष्ठभूमि और आम लोगों को होने वाली असुविधा जैसे पहलुओं पर भी विचार किया जाना चाहिए।

मुख्य न्यायाधीश महेश चंद्र त्रिपाठी और न्यायमूर्ति अद्वैत सेठना की पीठ ने महाराष्ट्र सरकार को उन याचिकाओं पर जवाब देने का निर्देश दिया, जिनमें मुख्य निर्वाचन आयुक्त (सीईसी) के खिलाफ मुंबई में हाल में हुए प्रदर्शनों के दौरान पुलिस पर लोगों को अवैध रूप से हिरासत में लेने के आरोप लगाए गए हैं। अदालत अधिनिका सावर देवरे की ओर से दावर जनहित याचिका पर सुनवाई कर रही थी।



याचिका में दिल्ली में प्रदर्शनों के समर्थन में यहां शांतिपूर्ण प्रदर्शन कर रहे लोगों के खिलाफ पुलिस की कथित बर्बरता और उन्हें हिरासत में लिए जाने का मुद्दा उठाया गया था। याचिका में पुलिस को ऐसे शांतिपूर्ण प्रदर्शनों में शामिल किसी भी व्यक्ति को हिरासत में नहीं लेने का निर्देश देने का अनुरोध किया गया था। अधिवक्ता गायत्री सिंह ने सोमवार को चार लोगों की ओर से आवेदन पेश किया। इन लोगों को पिछले सप्ताह

शांतिपूर्ण मार्च में शामिल होने के बाद पुलिस ने हिरासत में लिया था। सिंह ने कहा कि चारों को एक दिन हिरासत में रखा गया, फिर घर जाने को कहा गया और इसके बाद उन्हें उनके घरों में नजरबंद कर दिया गया। याचिकाकर्ता की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता मिहिर देसाई ने दो अन्य लोगों के हलफनामे भी पेश किए, जिन्हें पुलिस ने उनके घरों से हिरासत में लिया था। पीठ ने कहा कि हर व्यक्ति को विरोध प्रदर्शन करने का अधिकार है,

लेकिन प्रदर्शनकारियों की पृष्ठभूमि पर भी विचार किया जाना चाहिए। अदालत ने कहा, “हर किसी को विरोध प्रदर्शन करने का अधिकार है। लेकिन प्रदर्शन शांतिपूर्ण होना चाहिए। महाराष्ट्र में हमने देखा है कि पुलिस ने काफी संयम बरता है।” पीठ ने कहा, “उनका कोई आपराधिक रिकॉर्ड नहीं होना चाहिए। निर्दोष नागरिकों की आड़ में अपराधियों को प्रदर्शनों में शामिल नहीं होना चाहिए।” इस बीच, मध्य मुंबई के शिवाजी पार्क के निवासियों की ओर से पेश दो वकीलों ने भी आवेदन दायित्व किए। उन्होंने दावा किया कि उच्च न्यायालय का एक आदेश वहां इस तरह के प्रदर्शनों पर रोक लगाता है।

पिछले सप्ताह यहां प्रदर्शन हुए थे। अदालत ने कहा कि याचिकाकर्ताओं और राज्य सरकार को इन शिकायतों पर भी जवाब देना होगा। पीठ ने मामले की अगली सुनवाई के लिए 19 नवंबर की तारीख तय की।

स्टारलैंक के भारत प्रवेश पर बोले शशि थरूर, सभी कंपनियों के लिए एक जैसी प्रक्रिया

वेलकम इंडिया, नेटवर्क

नई दिल्ली। कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने सोमवार को कहा कि स्पेसएक्स के सीईओ एलन मस्क की स्टारलैंक और भारत के सैटेलाइट इंटरनेट बाजार में प्रवेश करने की इच्छुक अन्य कंपनियों को एक जैसी प्रक्रिया से गुजरने की अनुमति दी जानी चाहिए। उन्होंने आगे कहा कि सरकार का कहना है कि सभी कंपनियों को एक जैसी तरीका सामना करना पड़ रहा है। स्टारलैंक को लेकर मस्क की हालिया टिप्पणियों पर प्रतिक्रिया देते हुए, थरूर ने अटकसे कहा कि अगर सरकार की सफाई को अक्षरशः माना जाए, तो इस प्रक्रिया में न तो मस्क को और न ही रिलायंस इंडस्ट्रीज के चैयरमैन मुकेश अंबानी को कोई फायदा मिल रहा है।

उन्होंने कहा कि मैंने इस मुद्दे पर सरकार की सफाई सुनी है। सरकार का कहना है कि एक तय प्रक्रिया है, जिसमें बोली लगाने वाली सभी कंपनियां शामिल हैं और सभी को एक जैसी तरीका सामना करना पड़ रहा है। अगर



सरकार की इस बात को सच मानें, तो इसका मतलब है कि मस्क कतार में पीछे नहीं हैं और अंबानी आगे नहीं हैं। मुझे लगता है कि हमें बस इस प्रक्रिया के पूरा होने का इंतजार करना चाहिए। थरूर ने कहा कि तकनीक, सुरक्षा संबंधी चिंताएं, तकनीकी विवरण और लागत जैसे कई कारक इसके नतीजे तय करेंगे, जबकि अंतिम फैसला उपभोक्ताओं के हाथ में होगा।

उन्होंने कहा कि इसके कई पहलू हैं। इसमें तकनीक से जुड़े सवाल हैं, सुरक्षा संबंधी कुछ चिंताएं हैं, अपलिंकिंग से जुड़ी कई तरह की बातें हैं और अंत में लागत का सवाल है।

लागत के मामले में फैसला आम जनता करेगी।

अगर आप मुझे कोई सेवा दे रहे हैं और कोई दूसरा व्यक्ति वही सेवा 10 गुना कीमत पर दे रहा है, तो हो सकता है कि मैं आपसे ही वह सेवा लूं। या फिर, अगर मुझे सच में लगे कि वह जो सेवा दे रहा है, वह 10 गुना कीमत के लायक है, तो मैं उसे वह रकम दे दूंगा। हर ग्राहक को खुद ही यह तय करना होगा।

थरूर ने आगे कहा कि वह अपने सुरुआती इंटरनेट कनेक्शन से संतुष्ट हैं, अपलिंकिंग से जुड़ी कई तरह की बातें हैं और अंत में लागत का सवाल है।

दुष्यंत गौतम ने संभाला सिक्किम के नए राज्यपाल का पद



नई दिल्ली। दुष्यंत कुमार गौतम ने सोमवार को सिक्किम के 19वें राज्यपाल के रूप में शपथ ली। उन्होंने ओम प्रकाश माथुर का स्थान लिया है। सिक्किम उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति ए. मोहम्मद मुश्ताक ने यहां लोक भवन में आयोजित समारोह में गौतम को पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई। इस अवसर पर मुख्यमंत्री प्रेम सिंह तमांग, मंत्रिपरिषद के सदस्य, न्यायाधीश, विधायक और अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे। इससे पहले, मुख्य सचिव आर. तेलंग ने राष्ट्रपति द्वारा जारी नियुक्ति आदेश पढ़कर सुनाया। गौतम ने बाद में औपचारिक रूप से राज्य के संवैधानिक प्रमुख का कार्यभार संभाला। समारोह के बाद मुख्यमंत्री तमांग ने पारंपरिक ‘खादा’ (स्वागत) भेंट कर नए राज्यपाल का स्वागत किया।

एमएलसी चुनाव में भाजपा प्रत्याशियों की जीत के लिए कैबिनेट मंत्री सुनील शर्मा ने बनाई रणनीति

मंडल अध्यक्षों, पार्षदों और पार्टी पदाधिकारियों के साथ बैठक कर मतदाता संपर्क अभियान तेज करने के दिए निर्देश

वेलकम इंडिया संवाददाता

गाजियाबाद। आगामी स्नातक एवं शिक्षक विधान परिषद सदस्य (एमएलसी) चुनाव को लेकर भारतीय जनता पार्टी ने संगठनात्मक तैयारियां तेज कर दी हैं। इसी क्रम में उत्तर प्रदेश सरकार के कैबिनेट मंत्री एवं साहिबाबाद विधायक सुनील कुमार शर्मा ने सोमवार को राजेंद्र नगर स्थित अपने जनसंपर्क कार्यालय पर पार्टी के मंडल अध्यक्षों, पार्षदों और पदाधिकारियों के साथ बैठक की। बैठक में भाजपा के स्नातक एमएलसी प्रत्याशी दिनेश गोयल और शिक्षक एमएलसी प्रत्याशी श्रीचंद शर्मा को भारी मतों से विजयी बनाने की रणनीति पर चर्चा की गई। बैठक में मंत्री सुनील कुमार शर्मा ने चुनावी तैयारियों की समीक्षा करते हुए संगठन के पदाधिकारियों और



जनप्रतिनिधियों को अपने-अपने क्षेत्रों में सक्रियता बढ़ाने के निर्देश दिए। उन्होंने स्नातक एवं शिक्षक मतदाताओं से निरंतर संपर्क स्थापित करने, पार्टी की नीतियों और उपलब्धियों को उन तक पहुंचाने तथा सुनिश्चित ढंग से चुनाव प्रचार करने पर जोर दिया। सुनील कुमार शर्मा ने कहा कि

भाजपा की सबसे बड़ी ताकत उसका मजबूत संगठन, समर्पित कार्यकर्ता और जनसेवा के प्रति प्रतिबद्धता है। चुनाव में सफलता के लिए आवश्यक है कि सभी पदाधिकारी और कार्यकर्ता एकजुट होकर पूरी निष्ठा से अपनी जिम्मेदारी निभाएं। उन्होंने दोनों प्रत्याशियों की जीत सुनिश्चित करने के लिए संगठनात्मक समन्वय और



प्रभावी मतदाता संपर्क अभियान को महत्वपूर्ण बताया। बैठक में मतदाता संपर्क, चुनावी रणनीति, संगठन के विभिन्न स्तरों के बीच तालमेल और प्रत्याशियों के पक्ष में व्यापक जनसमर्थन जुटाने जैसे विषयों पर विस्तार से विचार-विमर्श किया गया। उपस्थित जनप्रतिनिधियों एवं पार्टी पदाधिकारियों ने संगठन की

एकजुटता के साथ चुनाव में सक्रिय भूमिका निभाने और भाजपा प्रत्याशियों को भारी मतों से विजयी बनाने का संकल्प लिया। बैठक का उद्देश्य चुनावी तैयारियों को धार देना, कार्यकर्ताओं के बीच बेहतर समन्वय स्थापित करना और दोनों प्रत्याशियों की जीत के लिए प्रभावी कार्ययोजना तैयार करना रहा।

टाइगर श्रॉफ पर फायरिंग केस में पकड़े गए तीनों आरोपी बालिग, मुंबई पुलिस ने राजस्थान से दबोचा

वेलकम इंडिया, नेटवर्क

मुंबई। मुंबई पुलिस ने सोमवार को बताया कि अभिनेता टाइगर श्रॉफ पर गोलीबारी के मामले में गिरफ्तार किए गए तीनों आरोपियों में से कोई भी नाबालिग नहीं है और दो हमलावरों ने अभिनेता की कार पर पांच-छह गोलियां चलाई थीं। पुलिस उपायुक्त राज तिलक रोशन ने यहां एक संवाददाता सम्मेलन में कहा कि आरोपियों में से एक की उम्र 18 वर्ष है, जबकि अन्य दो की उम्र 22-22 वर्ष है। उन्होंने कहा, “दो आरोपी हरियाणा के हैं और एक बिहार का निवासी है।

गिरफ्तार किए गए तीन हमलावरों में से दो ने टाइगर श्रॉफ की कार पर पांच-छह गोलियां चलाई थीं।” पुलिस उपायुक्त ने बताया कि आरोपियों द्वारा इस्तेमाल की गई मोटरसाइकिल मुंबई के अंधेरी इलाके में मिली थी। उन्होंने कहा, “तीनों संदिग्धों के पास से कोई हथियार बरामद नहीं हुआ है। मुंबई पुलिस ने तीनों संदिग्धों की अपनी हिरासत ले लिया है और उन्हें



राजस्थान से मुंबई ला रहे हैं।” रोशन ने बताया कि इससे पहले टाइगर श्रॉफ को धमकी मिलने की कोई शिकायत नहीं मिली थी। उन्होंने कहा, “अभिनेता पर गोलीबारी करने के पीछे का मकसद अभी पता नहीं चला है। संदिग्ध हमलावरों से पूछताछ के बाद इसका पता लगाया जाएगा।” रोशन ने कहा कि घटना के 15 घंटे के भीतर राजस्थान के कोटा में एक ट्रेन से तीनों संदिग्धों को गिरफ्तार कर लिया गया। यह त्वरित अंतरराज्यीय अभियान अपराध शाखा की 20 विशेष टीम ने

दिल्ली, गुजरात और राजस्थान पुलिस के सक्रिय सहयोग से चलाया। पुलिस उपायुक्त ने कहा, “मुंबई अपराध शाखा की एक विशेष टीम ने राजस्थान पुलिस से तीनों आरोपियों को अपनी हिरासत में ले लिया है और उन्हें पूछताछ के लिए मुंबई लाया जा रहा है।” रविवार शाम ‘वॉर’ फिल्म के अभिनेता को निशाना बनाकर की गई गोलीबारी की घटना वीडियो में दर्ज हो गई थी। वीडियो में हमलावरों को अभिनेता की कार पर नजदीक से गोलियां चलाते देखा जा सकता है।

संपादक की कलम



राखीगढ़ी की मिट्टी में छिपी भारतीय स्त्री की ऐतिहासिक विरासत

इतिहास केवल राजाओं, युद्धों, साम्राज्यों और राजनीतिक परिवर्तनों का वृतांत नहीं है। वह उन असंख्य स्त्री-पुरुषों के जीवन, श्रम, विश्वास, संबंधों और सांस्कृतिक योगदान की कहानी भी है, जिन्होंने सभ्यताओं का निर्माण किया। फिर भी इतिहास की प्रचलित पुस्तकों में लंबे समय तक स्त्री की भूमिका अपेक्षाकृत



ललित शर्मा

संपादक

प्रकाश डालते हैं। हरियाणा के पुरातत्व विभाग के अनुसार, यहाँ प्राथमिक हड़प्पा से लेकर विकसित हड़प्पा काल तक के सांस्कृतिक चरणों के प्रमाण मिले हैं। इन खोजों का महत्व केवल प्राचीन नगर-योजना या आर्थिक जीवन को समझने तक सीमित नहीं है ; इनके माध्यम से स्त्री के सामाजिक अस्तित्व, प्रभुत्व संस्कारों, आभूषणों, शिल्प परंपराओं और सांस्कृतिक पहचान से जुड़े प्रश्नों की भी पड़ताल की जा सकती है। राखीगढ़ी को स्त्री-केंद्रित दृष्टि से देखने का अर्थ यह घोषित करना नहीं है कि वहाँ का समाज निश्चित रूप से मातृसत्तात्मक था। इसका वास्तविक आशय यह है कि सभ्यता के अध्ययन में स्त्री को भी एक स्वतंत्र ऐतिहासिक विषय के रूप में स्थान दिया जाए और पुरातात्विक सभ्यता की सहायता से उसके जीवन तथा योगदान को समझने का प्रयास किया जाए। राखीगढ़ी की पहचान आधुनिक पुरातात्विक अनुसंधान के साथ निरंतर व्यापक हुई है। यहाँ के उत्खननों से ज्ञात होता है कि हड़प्पा सभ्यता के लोग नियोजित बस्तियों में रहते थे। आवासीय संरचनाएँ, गलियाँ, जल-निकासी व्यवस्था, शिल्प-उत्पादन से संबंधित वस्तुएँ और मानकीकृत माप-माप उनकी तकनीकी दक्षता तथा संगठित सामाजिक जीवन की ओर संकेत करते हैं। मिट्टी के खिलौने, मनके, मुहरें, धातु की वस्तुएँ और विभिन्न प्रकार के आभूषण उस समय की कलात्मक रुचि तथा उत्पादन-कोशल को भी सामने लाते हैं। इन अवशेषों के बीच मानव कब्रिस्तान विशेष महत्व रखता है, क्योंकि वह हमें उन लोगों के जीवन और मृत्यु से जुड़े संस्कारों के बारे में प्रश्न पूछने का अवसर देता है, जिनकी व्यक्तिगत आवाज़ इतिहास में सुरक्षित नहीं रह सकी। कब्रों में रखे मुद्रांड, आभूषण और अन्य वस्तुएँ तत्कालीन समुदायों की मान्यताओं, सामाजिक प्रथाओं तथा मृतकों के प्रति व्यवहार को समझने में सहायक हो सकती हैं। हालाँकि, किसी एक वस्तु या दफन परंपरा के आधार पर पूरे समाज की सामाजिक संरचना का निष्कर्ष निकालना उचित नहीं होगा। राखीगढ़ी का महत्व इसी व्यापक दृष्टिकोण में निहित है। यहाँ की प्रत्येक पुरातात्विक वस्तु अतीत के बारे में कोई अंतिम उत्तर देने के बजाय नए प्रश्नों के द्वार खोलती है। वे प्रश्न, जिनमें स्त्री की भूमिका, श्रम का विभाजन, पारिवारिक संरचना, शिल्प-उत्पादन और सामाजिक प्रतिष्ठा जैसे विषय शामिल हैं, इतिहास को अधिक समावेशी बनाने में सहायक हो सकते हैं। राखीगढ़ी के कब्रिस्तान से प्राप्त महिला के मानाव अवशेषों के साथ शंख की चूड़ियाँ तथा अन्य वस्तुएँ मिलने की जानकारी विशेष रूप से उल्लेखनीय है।

अनजाना

उदय कशोर साह

कविता



उल्फत ने लिख दी कैसी ये दास्तान
रक्त रंजीत हो गई दिल की अरमान
प्रीत ना बन पाई हमारी।
मेरमान दुश्मन बन गई ये बैरी सारा
जहान

कल तक प्यारा लगता था ये नजारा
पहाड़ पर्वत नदियाँ थी हमें
प्यारा खिलते थे मन के फूल तब
कुँवारा अब दिन को दीख रहा हमें
तारा

सागर की सीने में उठ रही है तुफान
प्रेम में सच्चे प्रेमी भी हुए
बदनाम सच्ची मोहब्बत की हुई झुटी दास्तान
स्वार्थ में प्रीत हो गई जग में बदनाम

हमने किया था तुमसे सच्चा
प्यार कोरे कागज पे लिखा।
था इकरार फिर क्यूं तुमने कर दी आज
इनकार कैसे समझाऊँ मैं दिल की
झंकार

लाख समझाया था मुझको जमाना
फिर भी प्यार में किसी की ना माना
बना था मैं इश्क में पागल
दीवाना क्योंकि प्रेम में था मैं एक अनजाना

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक ललित कुमार द्वारा वेलकम इंडिया प्रिन्टर्स, 1/26, साउथ साइड, जी टी रोड, गाजियाबाद-201001 से मुद्रित करारक ग्राउन्ड फ्लोर, दुर्गा टॉवर, आर.डी. सी राजनगर, गाजियाबाद 201002 से प्रकाशित किया |
संपादक : ललित शर्मा
सम्पर्क सूत्र: 9891116568

किसी कानूनी विवाद की स्थिति में निपटारा गाजियाबाद न्यायालय में ही होगा।



ललित गर्ग

लेखक

कोलकाता में दुर्गापूजा के दौरान चौरबागान के सार्वजनिक पूजा पंडाल में हुई भगदड़ और उसमें 19 लोगों की मौत तथा 25 से अधिक लोगों के घायल होने की खबर ने पूरे देश को स्तब्ध कर दिया। यह केवल एक हादसा नहीं, बल्कि हमारी सामूहिक संवेदनहीनता, प्रशासनिक लापरवाही और धार्मिक आयोजनों के प्रति गैर-जिम्मेदार दृष्टिकोण पर लगा एक गंभीर प्रश्नचिह्न है। जिन पंडालों में लोग श्रद्धा, भक्ति, उल्लास और आध्यात्मिक शांति की तलाश में पहुंचते हैं, वहां यदि उन्हें जीवन की सुरक्षा का भरोसा भी न मिले, तो इससे बड़ी विडंबना क्या होगी? मां दुर्गा की आराधना, साहस और अन्याय के विनाश का प्रतीक है, लेकिन उसी आराधना के बीच निर्दोष लोगों की सारें थम जाएं, तो हमें अपने आयोजन, अपनी व्यवस्थाओं और अपनी प्राथमिकताओं पर गंभीरता से विचार करना ही होगा। आखिर आस्था

के इस सैलाब में ईंसानी जिंदगियां कब तक बहती रहेगी? सबसे बड़ा प्रश्न यह नहीं कि हादसा कैसे हुआ, बल्कि यह है कि हादसे होने ही क्यों दिए जाते हैं? देश में धार्मिक मेलों, महिरों, तीर्थस्थलों, उत्सवों और राजनीतिक रैलियों में भगदड़ की घटनाएं बार-बार सामने आती रही हैं। हर बार कुछ परिवारों के घरों के चिराग बुझ जाते हैं, बच्चों के सिर से माता-पिता का साना उठ जाता है, किसी मां की गोद सूनी हो जाती है और किसी जीवनसाथी का संसार उजड़ जाता है। कुछ समय तक शोक, संवेदना, मुआवजे और जांच की खबरे सुर्खियों में रहती हैं, फिर सब कुछ सामान्य होने लगता है। व्यवस्थाएं जस की तस बनी रहती हैं और अगली त्रासदी का इंतजार शुरू हो जाता है। क्या हमारी व्यवस्था की संवेदनशीलता केवल हादसों के बाद जागने तक सीमित रह गई है? क्या मानवीय जीवन का मूल्य किसी आर्थिक सहायता या सरकारी घोषणा से चुकाया जा सकता है? आखिर सनातन की गौरवमय संस्कृति को धुंधलाने की इन त्रासद एवं विडम्बनापूर्ण घटनाओं के लेकर हम कब चेतेंगे?

किसी भी हादसे में मृतकों के परिजनों को आर्थिक सहायता देना आवश्यक है। संकट की घड़ी में सरकार का सहयोग प्रभावित परिवारों को संबल देता है, लेकिन मुआवजा किसी की जिंदगी वापस नहीं ला सकता। एक परिवार की आर्थिक क्षति

पंखों की फड़फड़ाहट से आगे: जंगली पक्षी प्रकृति की मदद से उड़ान को अधिक कुशल कैसे बनाते हैं?



डॉ विजय गर्ग

लेखक

उड़ान प्रकृति की सबसे अद्भुत उपलब्धियों में से एक है। पक्षी महाद्वीपों को पार करते हैं, पहाड़ों के ऊपर उड़ते हैं और हजारों किलोमीटर की यात्रा असाधारण सटीकता के साथ पूरी करते हैं। यद्यपि उनके पंख उड़ने के लिए आवश्यक शक्ति प्रदान करते हैं, लेकिन लगातार पंख फड़फड़ाना ही उनकी लंबी और ऊर्जा-कुशल उड़ान का एकमात्र कारण नहीं है। अनेक जंगली पक्षी प्राकृतिक वायु प्रवाह, ऊपर उठती गर्म हवा और हवाओं की दिशा का लाभ उठाकर उड़ान में खर्च होने वाली ऊर्जा को कम कर लेते हैं। हवा में मौजूद इस अदृश्य सहायता का उपयोग करके वे दिखाते हैं कि प्रकृति किस प्रकार गति को अधिक कुशल बना सकती है।

पक्षियों की उड़ान पर हो रहे वैज्ञानिक शोध से यह समझने में मदद मिल रही है कि वे शारीरिक शक्ति, पर्यावरण की समझ और सहज व्यवहार

के माध्यम से ऊर्जा की बचत कैसे करते हैं। उनकी ये क्षमताएँ न केवल वन्यजीवों को समझने के लिए महत्त्वपूर्ण हैं, बल्कि अधिक कुशल विमान बनाने और वायुगतिकी के बारे में हमारी जानकारी बढ़ाने में भी उपयोगी हैं।

आकाश भी है ऊर्जा का स्रोत

पक्षियों को हवा में बने रहने के लिए हर समय अपने पंख फड़फड़ाने की आवश्यकता नहीं होती। अनुकूल वायुमंडलीय परिस्थितियों में हवा स्वयं उन्हें ऊपर उठाने में सहायता कर सकती है। इसका एक प्रमुख उदाहरण गर्म हवा के ऊपर उठते प्रवाह का उपयोग है। सूर्य की गर्मी जब धरती की सतह को अलग-अलग मात्रा में गर्म करती है, तो गर्म हवा के कुछ हिस्से ऊपर उठने लगते हैं। ऐसे वायु प्रवाह को *थर्मल करंट* कहा जाता है। बाज, गिद्ध और कुछ सारस जैसे बड़े पक्षी इन वायु प्रवाहों का निर्भरित रूप से लाभ उठाते हैं। वे ऊपर उठती हवा में गोल-गोल चक्कर लगाते हुए ऊँचाई प्राप्त करते हैं और फिर अपने अगले गंतव्य की ओर फ़िमलती हुई उड़ान भरते हैं। इस प्रक्रिया को दोहराते वे अपनी मांसपेशियों पर कम दबाव डालते हुए लंबी दूरी तय कर सकते हैं। यह तरीका विशेष रूप से उन पक्षियों के लिए उपयोगी है जिनके पंख चौड़े और शरीर अपेक्षाकृत बड़े होते



की भरपाई संभवतः धन से हो जाए, मगर उस मां के आंसुओं का मूल्य कौन चुकाएगा, जिसने अपने जवान बेटे को खो दिया? उस बच्चे के भय और खालीपन को कौन भरेगा, जिसने भीड़ में अपने माता-पिता को हमेशा के लिए खो दिया? इसलिए सरकारों की जिम्मेदारी केवल राहत राशि घोषित करना नहीं, बल्कि ऐसी परिस्थितियां पैदा होने से पहले रोकना है, जिनमें नागरिकों को अपनी जान गंवानी पड़े। मृत्यु के बाद मुआवजा देना शासन का मानवीय दायित्व है, लेकिन मृत्यु से पहले सुरक्षा सुनिश्चित करना उसका अनिवार्य कर्तव्य है। धार्मिक आयोजनों की भव्यता और लोकप्रियता के साथ एक अस्वस्थ प्रतिस्पर्धा भी बढ़ती दिखाई देती है। विशाल पंडाल, आकर्षक सजावट, भव्य प्रतिमाएं, रोशनी, प्रचार और अधिकाधिक श्रद्धालुओं की उपस्थिति को आयोजन की सफलता का पैमाना मान लिया जाता है। लेकिन क्या किसी आयोजन



हैं। उनकी शारीरिक बनावट उन्हें हवा में कुशलतापूर्वक बने रहने और प्राकृतिक रूप से ऊपर उठती हवा का लाभ उठाने में सक्षम बनाती है। **हवाओं से ऊर्जा की बचत** थर्मल करंट ही उड़ान में प्रकृति की ओर से मिलने वाली एकमात्र सहायता नहीं हैं। जब हवा पहाड़ियों, चट्टानों और पर्वतों से टकराती है, तो वह ऊपर की ओर मुड़ सकती है। पक्षी इन वायु प्रवाहों का उपयोग अपनी ऊँचाई बनाए रखने के लिए करते हैं। इस तकनीक को *रिज सोअरिंग* कहा जाता है। कुछ समुद्री पक्षी *डायनेमिक सोअरिंग* नामक तकनीक का उपयोग करते हैं। वे अलग-अलग ऊँचाइयों पर बहने वाली हवाओं की गति में अंतर का लाभ उठाकर ऊर्जा प्राप्त करते हैं। एल्बार्ट्रॉस पक्षी इस तकनीक के लिए विशेष रूप

से प्रसिद्ध हैं। वे समुद्र के विशाल विस्तार पर बहुत कम पंख फड़फड़ाते हुए लंबी यात्राएं कर सकते हैं। यह व्यवहार बताता है कि कुशल उड़ान केवल पंखों की बनावट पर निर्भर नहीं करती, बल्कि सही मार्ग, उपयुक्त ऊँचाई और वायुमंडलीय परिस्थितियों के चुनाव पर भी निर्भर करती है। पक्षी अपने आसपास के वातावरण को अपनी उड़ान प्रणाली का हिस्सा बना लेते हैं।

सहज क्षमता, अनुभव और पर्यावरण की समझ

पक्षी अनुकूल वायु प्रवाह की पहचान कैसे करते हैं? उनका उड़ान व्यवहार जन्मजात क्षमताओं, इंद्रियों से प्राप्त जानकारी और अनुभव के मेल को दर्शाता है। वे हवा की दिशा, दिखाई देने वाले प्राकृतिक संकेतों और

जाए और प्रशिक्षित कर्मियों की पर्याप्त तैनाती हो। सीसीटीवी, सार्वजनिक उद्घोषणा प्रणाली, चिकित्सा सहायता, एंबुलेंस तथा अग्निशमन सेवाओं की उपलब्धता सुनिश्चित की जाए। बारिश, बिजली बाधित होने, अचानक अफवाह फैलने या किसी अप्रत्याशित घोषणा से भीड़ का व्यवहार बदल सकता है। इसलिए हर आयोजन में आपातकालीन योजना, नियमित अभ्यास और त्वरित प्रतिक्रिया की व्यवस्था होनी चाहिए। सुरक्षा की तैयारी हादसे के बाद नहीं, आयोजन की योजना बनाते समय शुरू होनी चाहिए। इस पूरे परिदृश्य में प्रशासन की भूमिका सबसे महत्वपूर्ण है। पुलिस और स्थानीय प्रशासन को केवल अनुमति जारी करने अथवा आयोजन के दौरान औपचारिक निरीक्षण करने तक सीमित नहीं रहना चाहिए। अनुमति से पहले स्थल का निरीक्षण, भीड़ की संभावित संख्या का आकलन, सुरक्षा मानकों की जांच और निकास मार्गों की उपलब्धता का सत्यापन अनिवार्य होना चाहिए। निर्धारित क्षमता से अधिक लोगों को प्रवेश देने पर तत्काल रोक लगाई जाए। नियमों का उल्लंघन करने वाले आयोजकों के विरुद्ध कठोर कार्रवाई हो और यदि जांच में अधिकारियों की लापरवाही सामने आए, तो उनकी जवाबदेही भी तय की जाए। किसी समिति का प्रभाव, किसी आयोजन की प्रतिष्ठा या किसी उत्सव की लोकप्रियता कानून और नागरिक सुरक्षा से ऊपर नहीं हो सकती।

जवाबदेही के बिना सुरक्षा केवल कागजी घोषणा बनकर रह जाती है। साथ ही यह मान लेना भी उचित नहीं कि हर भगदड़ का कारण केवल प्रशासनिक विफलता है। कई बार अफवाह, धक्का-मुक्की, अचानक आगे बढ़ने की प्रवृत्ति और दूसरों की सुरक्षा की चिंता किए बिना स्वयं निकलने की कोशिश भी स्थिति को भयावह बना देती है। इसलिए आम नागरिकों की जिम्मेदारी भी कम नहीं है। धार्मिक स्थल पर पहुंचकर संयम बनाए रखना, निर्धारित मार्गों का पालन करना, धक्का न देना, बच्चों और बुजुर्गों का विशेष ध्यान रखना तथा आधिकारिक निर्देशों को सुनना आवश्यक है। यदि भीड़ असामान्य रूप से घनी हो जाए, तो आगे बढ़ने की जिद करने के बजाय सुरक्षित स्थान पर रुकना और निर्देशों का पालन करना चाहिए। आयोजकों को भी श्रद्धालुओं के बीच जागरूकता फैलानी चाहिए कि भक्ति का अर्थ अव्यवस्था नहीं, बल्कि अनुशासन और दूसरों की जीवन के प्रति सम्मान है। हमारे धर्म और संस्कृति का मूल संदेश करुणा, अहिंसा, सेवा और जीवन के प्रति आदर है। पूजा-पाठ का वास्तविक अर्थ सभी सार्थक है, जब हमारी आस्था मानवता की रक्षा का माध्यम बने। यदि किसी धार्मिक आयोजन में सुरक्षा की अनदेखी होती है, तो वह केवल प्रशासनिक चूक नहीं, बल्कि उन मूल्यों से विचलन भी है, जिनका उत्सव मनाने का दावा किया जाता है।

आसपास के परिवर्तनों के अनुसार अपनी उड़ान में बदलाव कर सकते हैं। प्रवासी पक्षियों के लिए यह क्षमता विशेष रूप से महत्त्वपूर्ण है। उन्हें ऊर्जा की खपत, मौसम, भोजन की उपलब्धता और प्रजनन या शीतकालीन निवास स्थलों तक समय पर पहुँचने के बीच संतुलन बनाना पड़ता है। अनुकूल हवाओं और ऊपर उठती हवा का उपयोग उनकी यात्रा में लगने वाले शारीरिक प्रयास को कम कर सकता है। हालाँकि, पक्षी हर परिस्थिति में प्राकृतिक वायु सहायता पर निर्भर नहीं रह सकते। उड़ान शुरू करने, दिशा बदलने, कम गति से उड़ने और प्रतिकूल वायु परिस्थितियों में पंख फड़फड़ाना आवश्यक होता है। इसलिए कुशल उड़ान विभिन्न तकनीकों का परिस्थितियों के अनुसार उपयोग करने से संभव होती है।

विमानन और तकनीक के लिए महत्त्वपूर्ण सबक

पक्षियों की उड़ान इंजीनियरों के लिए प्रेरणा का एक महत्त्वपूर्ण स्रोत है। विमान निर्माता लगातार ईमान की खपत कम करने, वायुगतिकीय प्रदर्शन सुधारने और उड़ान की दूरी बढ़ाने के उपाय खोजते रहते हैं। पक्षियों द्वारा प्राकृतिक उठती हवा के उपयोग का अध्ययन अधिक कुशल उड़ान-योजना

प्रणालियों, ग्लाइडरों और स्वायत्त उड़ने वाले यंत्रों के विकास में सहायता कर सकता है। मानवहित विमान हवा के ऊपर उठते प्रवाह का लाभ उठाकर अधिक समय तक उड़ सकते हैं। इससे बैटरी या अन्य ऊर्जा स्रोतों पर उनकी निर्भरता कम करने की संभावना बढ़ती है। वायुमंडलीय गतिविधियों की बेहतर समझ पारंपरिक विमानों के मार्गनियोजन में भी सहायक हो सकती है, हालाँकि विमानन सुरक्षा और संचालन संबंधी आवश्यकताओं को सर्वोच्च प्राथमिकता देना आवश्यक है। इससे मिलने वाला व्यापक संदेश यह है कि दक्षता हमेशा अधिक शक्ति उपभोग करने से नहीं आती। कई बार पहले से उपलब्ध प्राकृतिक ऊर्जाओं को पहचानने और उसका सही उपयोग करने से भी बेहतर परिणाम प्राप्त किए जा सकते हैं।

पक्षियों की उड़ान के लिए प्रकृति का संरक्षण

पक्षियों का जीवन स्वस्थ पारिस्थितिकी तंत्र और उपयुक्त प्राकृतिक आवासों पर निर्भर करता है। प्राकृतिक आवासों का निनाश, जलवायु परिवर्तन, प्रदूषण और मानवीय हस्तक्षेप उनके अस्तित्व के लिए खतरा पैदा कर सकते हैं। मौसम में बदलाव उन वायु प्रवाहों की उपलब्धता और नियमितता को भी प्रभावित कर सकता है, जिन पर कुछ पक्षियों की उड़ान निर्भर करती है।

पुतलों का दहन नहीं, मन और समाज में छिपी बुराइयों का संहार ही दशहरे का असली संदेश है।



किशन भावनानी

लेखक

डॉ. सत्यवान सौरभ हर साल दशहरे की शाम रावण के विशाल पुतले धू-धू कर जलते हैं। आतिशबाजी की चमक, पटाखों की गुंज और दर्शकों की तालियों के बीच बुराई पर अच्छाई की जीत का उत्सव मनाया जाता है। कुछ ही मिनटों में रावण का पुतला राख हो जाता है और लोग विजयादशमी की शुभकामनाएँ देते हुए अपने घर लौट जाते हैं। लेकिन एक सवाल हर साल हमारे सामने खड़ा रहता है—यदि रावण सचमुच मर रहा है, तो समाज में बुराइयाँ लगातार है और लोग विजयादशमी की शुभकामनाएँ देते हुए अपने घर लौट जाते हैं। लेकिन एक सवाल हर साल हमारे सामने खड़ा रहता है—यदि रावण सचमुच मर रहा है, तो समाज में बुराइयाँ लगातार है

दशहरा केवल एक धार्मिक पर्व या मनोरंजन का अवसर नहीं, बल्कि आत्मसंथन और सामाजिक चेतना का पर्व है। रावण दहन का वास्तविक उद्देश्य हमें यह याद दिलाना है कि अहंकार, अन्याय, छल, लोभ और

अनैतिकता चाहे कितनी ही शक्तिशाली क्यों न हों, अंततः उनका पतन निश्चित है। लेकिन पुतला देखिए कि हमने इस संदेश को एक वार्षिक आयोजन तक सीमित कर दिया है। पुतले बड़े होते जा रहे हैं, आयोजन भव्य होते जा रहे हैं और आतिशबाजी पर खर्च बढ़ रहा है, लेकिन क्या हमारे भीतर की बुराइयाँ उसी अनुपात में कम हो रही हैं?

रामायण का रावण विद्वान था, शक्तिशाली था और शिवभक्त भी था। उसके व्यक्तित्व में अनेक गुण थे, लेकिन अहंकार और पराई स्त्री के अपहरण जैसे गंभीर अधर्म ने उसकी समस्त उपलब्धियों को व्यर्थ कर दिया। उसका अंत इस बात का प्रतीक है कि ज्ञान, शक्ति और वैभव भी मनुष्य को महान नहीं बना सकते, यदि उसके आचरण में मर्यादा और नैतिकता का अभाव हो। रावण की पराजय हमें सिखाती है कि व्यक्ति की वास्तविक पहचान उसकी विद्वता या प्रतिष्ठा से नहीं, बल्कि उसके चरित्र और कर्मों से होती है।

आज का रावण किसी एक चेहरे या पात्र का नाम नहीं है। वह उस मानसिकता का प्रतीक है, जो दूसरों के अधिकारों का हनन करती है, कमजोरों का शोषण करती है और अपने स्वार्थ के लिए नैतिकता को ताक पर रख देती है। जब किसी बेटे की अस्मिता पर हमला होता है, जब दहेज के लिए किसी बहू को प्रताड़ित किया जाता है,



जब रिश्तव लेकर न्याय और अधिकारों का सौदा होता है, जब नशा किसी परिवार को उजाड़ देता है और जब लालच में रिश्तों का खून होता है, तब समझ लेना चाहिए कि रावण किसी पुतले में नहीं, हमारी सामाजिक व्यवस्था और मानवीय सोच में जीवित है।

विडंबना यह भी है कि हम बुराई को पहचानने में जितनी तत्परता दूसरों के मामले में दिखाते हैं, उतना साहस अपने भीतर झाँकने में नहीं दिखाते। दूसरों का अहंकार हमें दूरत दिखाई देता है, लेकिन अपना अहंकार स्वाधिमान लगने लगता है। दूसरों का छल हमें अपराध लगता है, लेकिन अपने स्वार्थ के लिए किया गया समझौता व्यावहारिकता कहलाता है। दूसरों की गलती पर हम कठोर निर्णय सुनाते हैं, जबकि अपनी गलतियों के

लिए सौ बहाने खोज लेते हैं। यही दोहरा चरित्र भीतर के रावण को जीवित रखता है। आज समाज में महिलाओं के विरुद्ध हिंसा, भ्रष्टाचार, धोखाधड़ी, नशाखोरी और नैतिक मूल्यों के क्षरण जैसी समस्याएँ गंभीर चिंता का विषय हैं। इनके समाधान के लिए केवल धार्मिक आयोजन पर्याप्त नहीं हैं। इसके लिए परिवार, विद्यालय, प्रशासन और समाज—सभी की अपनी जिम्मेदारी निभानी होगी। बच्चों को केवल अच्छे संस्कारों का उपदेश देना पर्याप्त नहीं; उन्हें अपने व्यवहार में ईमानदारी, संवेदनशीलता और समानता के उदाहरण भी दिखाई देने चाहिए। कानून भी अधिक जरूरी है कि मनुष्य के भीतर सही और गलत के बीच अंतर करने वाली नैतिक चेतना जीवित रहे।



पत्रकार नसीम हत्याकांड में आटा मिल मालिक समेत तीन आरोपी गिरफ्तार, पुलिस ने की त्वरित कार्रवाई

विज्ञापन लेने आटा मिल पहुंचे थे पत्रकार नसीम, विवाद के बाद मारपीट में हुई थी मौत; हापुड़ देहात पुलिस ने आरोपियों को पकड़ा

वेलकम इंडिया/हरेंद्र शर्मा

हापुड़। जनपद हापुड़ में पत्रकार नसीम की मौत के मामले में थाना हापुड़ देहात पुलिस ने कार्रवाई करते हुए आटा मिल मालिक समेत तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। इस घटना के बाद पत्रकार की मौत को लेकर मामला गंभीर हो गया था। पुलिस ने मामले की जांच करते हुए आरोपियों की गिरफ्तारी की है। पुलिस के अनुसार, प्रकरण में संबंधित थाराओं के तहत मुकदमा दर्ज है और आगे की वैधानिक कार्रवाई की जा रही है। पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार, 18 अक्टूबर को पत्रकार नसीम अपने कुछ सहयोगियों के साथ



विज्ञापन लेने के सिलसिले में जरीठी रोड स्थित एक आटा मिल पर पहुंचे थे। बताया गया है कि वहां किसी बात को लेकर विवाद हो गया। आरोप है कि इसके बाद आटा मिल पर मौजूद आरोपियों ने एक राय होकर पत्रकार

नसीम और उनके सहयोगियों के साथ मारपीट की। इस घटना में नसीम गंभीर रूप से घायल हो गए। बाद में उपचार के दौरान उनकी मौत हो गई। पत्रकार की मौत की खबर सामने आने के बाद मामला गंभीर हो गया और पुलिस ने

घटनाक्रम की जांच शुरू कर दी। मामले की गंभीरता को देखते हुए थाना हापुड़ देहात पुलिस ने कार्रवाई करते हुए तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार किए गए आरोपियों में आटा मिल मालिक भी शामिल बताया गया है। पुलिस का कहना है कि घटना से जुड़े तथ्यों की जांच की जा रही है और मामले में नियमानुसार आगे की कार्रवाई की जाएगी। पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज किया है। हालांकि, उपलब्ध जानकारी में गिरफ्तार किए गए तीनों आरोपियों के नाम और गिरफ्तारी के स्थान का विस्तृत विवरण नहीं दिया गया है।

पत्रकार नसीम की मौत की घटना ने क्षेत्र में चर्चा का माहौल पैदा कर दिया है। विज्ञापन लेने गए पत्रकार के साथ कथित मारपीट और उसके बाद हुई मौत ने मामले को गंभीर बना दिया है। अब इस प्रकरण में पुलिस की कार्रवाई और जांच के निष्कर्षों पर लोगों की नजर बनी हुई है। पुलिस द्वारा तीन आरोपियों की गिरफ्तारी को मामले में महत्वपूर्ण कार्रवाई माना जा रहा है। हालांकि, घटना से जुड़े सभी तथ्यों, मारपीट की परिस्थितियों और आरोपियों की भूमिका का अंतिम निर्धारण जांच एवं न्यायिक प्रक्रिया के आधार पर होगा। थाना हापुड़ देहात पुलिस के अनुसार, मामले में आगे की वैधानिक कार्रवाई जारी है।

थाना बाबूगढ़ में राम नवमी पर कन्या भोज का किया आयोजन, थाना प्रभारी ने लिया कन्याओं का आशीर्वाद



वेलकम इंडिया/राजेंद्र सिंह

हापुड़। रामनवमी के पावन पर्व पर सोमवार, 19 अक्टूबर 2026 को थाना बाबूगढ़ परिसर में थाना प्रभारी प्रवीण कुमार के नेतृत्व में कन्या भोज का आयोजन किया गया। इस अवसर पर कन्याओं को श्रद्धापूर्वक भोजन कराया गया। थाना प्रभारी ने कन्याओं के चरण स्पर्श कर उनका आशीर्वाद प्राप्त किया और सभी के सुख-समृद्धि

एवं कल्याण की कामना की। कार्यक्रम के दौरान कन्याओं को मां दुर्गा का स्वरूप मानते हुए उनके प्रति श्रद्धा और सम्मान व्यक्त किया गया। धार्मिक आस्था एवं भक्ति भाव के साथ आयोजित इस कार्यक्रम में रामनवमी की पावन परंपरा का विधिवत निर्वहन किया गया। रामनवमी के अवसर पर आयोजित कन्या भोज में कन्याओं को सम्मानपूर्वक भोजन कराया गया। इस

दौरान थाना प्रभारी प्रवीण कुमार ने कन्याओं के चरण स्पर्श कर उनका आशीर्वाद लिया। कार्यक्रम में सुख-समृद्धि, शांति और जनकल्याण की कामना की गई। कन्या पूजन भारतीय धार्मिक परंपरा में विशेष महत्व रखता है। इस अवसर पर कन्याओं को देवी स्वरूप मानकर उनका सम्मान किया जाता है। थाना बाबूगढ़ परिसर में आयोजित कार्यक्रम भी इसी श्रद्धा और धार्मिक भावना के साथ संपन्न हुआ।

बाबूगढ़ पुलिस ने साइबर ठगी के पीड़ित को वापस कराए गये 49,401 रुपये

वेलकम इंडिया/राजेंद्र सिंह

हापुड़। जनपद में साइबर अपराधों पर अंकुश लगाने और पीड़ितों को राहत दिलाने के लिए चलाए जा रहे अभियान के तहत थाना बाबूगढ़ की साइबर क्राइम टीम ने सराहनीय कार्य किया है। टीम ने साइबर ठगी के शिकार हुए एक व्यक्ति के खाते में 49,401 रुपये की धनराशि वापस कराई है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, ग्राम भीकनपुर निवासी शकील अहमद पुत्र कय्यूस खान के साथ 24 जून 2026 को अपनी फ़ैक्ट्री के लिए स्कूप का ऑर्डर करने के दौरान साइबर धोखाधड़ी हुई थी। इस दौरान उनके साथ कुल 49,500 रुपये की ठगी की गई थी। पीड़ित ने इसकी शिकायत एनसीआरपी पोर्टल पर दर्ज कराई थी। पुलिस अधीक्षक मधुबन कुमार के आदेश पर जनपद में साइबर अपराध नियंत्रण के



लिए चलाए जा रहे अभियान के अंतर्गत, अपर पुलिस अधीक्षक के पर्यवेक्षण और क्षेत्राधिकारी नगर के निर्देशन में थाना बाबूगढ़ की साइबर क्राइम टीम ने मामले में कार्रवाई करते हुए पीड़ित के खाते में 49,401 रुपये वापस कराए। इस कार्रवाई से पीड़ित को आर्थिक राहत मिली है। साइबर

अपराधों के प्रति जागरूकता बढ़ाने और ठगी की शिकायतों पर त्वरित कार्रवाई करने के लिए पुलिस लगातार प्रयास कर रही है। थाना प्रभारी प्रवीण कुमार एवं एसएसआई नवीन गौतम के नेतृत्व में थाना बाबूगढ़ पुलिस की इस कार्रवाई को सराहनीय बताया जा रहा है।

रामनवमी पर मन्दिरों में उमड़ा आस्था का सैलाब माता रानी के जयकारों से गूँजा प्रतापगढ़

विजय द्विवेदी/वेलकम इंडिया

प्रतापगढ़। रामनवमी के पावन अवसर पर प्रतापगढ़ जनपद में भक्ति और श्रद्धा का माहौल देखने को मिला। भगवान श्रीराम के जन्मोत्सव को लेकर श्रद्धालुओं में खासा उत्साह रहा। सुबह से ही मंदिरों में दर्शन-पूजन के लिए भक्तों के पहुंचने का सिलसिला शुरू हो गया। मंदिरों में उमड़ी श्रद्धालुओं की भीड़ और जय श्रीराम के गगनभेदी जयकारों से पूरा वातावरण भक्तिमय नजर आया। रामनवमी के अवसर पर श्रद्धालुओं ने भगवान श्रीराम की पूजा-अर्चना कर परिवार की सुख-समृद्धि, शांति और खुशहाली की कामना की। कई श्रद्धालुओं ने व्रत रखकर धार्मिक अनुष्ठानों में भाग लिया। मंदिरों में आरती, भजन-कीर्तन और रामनाम के संकीर्तन के माध्यम से भगवान श्रीराम के आदर्शों का स्मरण किया गया। रामनवमी को लेकर मंदिरों में विशेष तैयारियों की गईं। मंदिर परिसरों को सजाया गया और पूजा-पाठ के



लिए श्रद्धालुओं का तांता लगा रहा। परिवार के साथ पहुंचने लोगों ने भगवान श्रीराम के दर्शन किए। महिलाओं, बच्चों और युवाओं में भी पर्व को लेकर उत्साह दिखाई दिया। श्रद्धालुओं ने मयादा पुरुषोत्तम भगवान श्रीराम के जीवन से प्रेरणा लेते हुए सत्य, धर्म, त्याग और कर्तव्य के मार्ग पर चलने

का संकल्प लिया। रामनवमी का पर्व प्रतापगढ़ में धार्मिक आस्था और सामाजिक एकजुटता का संदेश लेकर आया। जगह-जगह भक्तिमय वातावरण के बीच लोगों ने एक-दूसरे को रामनवमी की शुभकामनाएं दीं। भगवान श्रीराम के जयकारों से मंदिरों और आसपास के क्षेत्रों में उत्सव जैसा

माहौल बना रहा। रामनवमी के केवल भगवान श्रीराम के जन्मोत्सव का पर्व नहीं, बल्कि उनके आदर्शों को अपने जीवन में अपनाने की प्रेरणा भी देती है। भगवान श्रीराम का जीवन सत्य, मयादा, न्याय, त्याग और कर्तव्यनिष्ठा का प्रतीक माना जाता है। पर्व के अवसर पर श्रद्धालुओं ने समाज में

सद्भाव, आपसी भाईचारे और शांति बनाए रखने का संदेश भी दिया।

सुरक्षा और व्यवस्था पर रही नजर

धार्मिक स्थलों पर अधिक भीड़ जुटने के दौरान श्रद्धालुओं की सुविधा, आवागमन और सुरक्षा व्यवस्था महत्वपूर्ण रही। प्रशासन एवं संबंधित व्यवस्थापकों की ओर से किए गए इंतजामों की स्थिति के बारे में स्थानीय स्तर पर जानकारी ली जा सकती है। भीड़भाड़ वाले स्थानों पर श्रद्धालुओं से शांति बनाए रखने और व्यवस्था में सहयोग करने की अपील की गई। रामनवमी के अवसर पर पूरे जनपद में श्रद्धालुओं के बीच उत्साह और उल्लास देखने को मिला। लोगों ने भगवान श्रीराम के आदर्शों को अपनाने तथा समाज में प्रेम, सद्भाव और सहयोग की भावना मजबूत करने का संकल्प लिया। पर्व ने धार्मिक आस्था के साथ सांस्कृतिक परंपराओं और सामाजिक एकता की भी नई ऊर्जा प्रदान की।

काली माता टीला मंदिर पर नवमी के पावन अवसर पर हवन, कन्या पूजन एवं विशाल भंडारे का किया आयोजन



वेलकम इंडिया/महमूद राजा

बिजनौर। नजीबाबाद सोमवार को श्री नव दुर्गा महाकाली मंदिर, टीला में नवमी के पावन अवसर पर माँ महाकाली जी की पूजा-अर्चना, हवन एवं कन्या पूजन का आयोजन किया गया। इसके पश्चात विशाल भंडारे का आयोजन हुआ, जिसमें अनेक श्रद्धालुओं ने भाग लेकर माता रानी का आशीर्वाद प्राप्त किया। मंदिर समिति के संस्थापक पवन कुमार

अग्रवाल के नेतृत्व में यह धार्मिक आयोजन पिछले 32 वर्षों से निरंतर आयोजित किया जा रहा है। यह परंपरा भक्तों की अटूट श्रद्धा और माँ महाकाली जी के प्रति उनकी गहरी आस्था का प्रतीक है। इस दौरान यात्रा में शामिल डॉडिया खेलने वाली दुर्गा टीम की बालिकाओं व महिलाओं को शीलड देकर सम्मानित किया गया कलश यात्रा में शामिल होने वाली बालिकाओं व महिलाओं को कलश वितरित किए गए। कार्यक्रम में



उपस्थित मंदिर के संस्थापक पवन कुमार अग्रवाल, नकुल अग्रवाल, राजीव गुप्ता, विवेक अग्रवाल (नेतृ), चित्रांशु अग्रवाल (मणि), मयंक शर्मा, अंकित अग्रवाल, केशव नंदन, राहुल टोंक, सुमित, अनूप, गिरीश सिंघल, दीपक शर्मा, निखिल शर्मा, दीपाली अग्रवाल, बिंदु सराफ, मानवी, पावनी अग्रवाल, अंजना, शिवानी, रिद्धि, पूजा, संतोष, पूनम अग्रवाल एवं साक्षी अग्रवाल सहित अनेक श्रद्धालुओं एवं भक्तों ने अपनी

सहभागिता निभाई। माता रानी के आशीर्वाद और भक्तों की अपार श्रद्धा के बीच यह धार्मिक आयोजन हर्षोल्लास एवं भक्तिमय वातावरण में संपन्न हुआ। सभी श्रद्धालुओं ने श्रद्धा एवं भक्तिभाव के साथ माँ महाकाली जी की आराधना की और माता रानी का आशीर्वाद प्राप्त किया। माँ महाकाली जी सभी भक्तों पर अपनी कृपा बनाए रखें तथा सभी के जीवन में सुख, शांति, समृद्धि एवं खुशहाली प्रदान करें।

तेंदुए के हमलों में मासूमों की मौत पर भड़के रेहान खान, वन विभाग और सरकार को ठहराया जिम्मेदार

एक सप्ताह में दो बच्चों की मौत से उठे सवाल, पीड़ित परिवारों को 20-20 लाख रुपये मुआवजा देने की मांग

मो.असलम/वेलकम इंडिया

लखीमपुर खीरी। जिले में तेंदुए के हमलों में एक सप्ताह के भीतर दो मासूम बच्चों की मौत की घटनाओं पर समाजवादी पार्टी के प्रदेश सचिव रेहान खान ने गहरा दुःख जताया है। उन्होंने वन विभाग की कार्यशैली पर नाराजगी जाहिर करते हुए प्रदेश सरकार को भी निशाने पर लिया। रेहान खान ने कहा कि वन्यजीवों के हमलों से लोगों की जान जा रही है, लेकिन इस समस्या से निपटने के लिए प्रभावी कदम नहीं उठाए जा रहे हैं। उन्होंने बताया कि पहली घटना थौरहरा क्षेत्र के बोंडिया फार्म में हुई, जहां घर के बाहर खेल रही एक मासूम बच्ची को तेंदुआ उठा ले गया। वहीं, दूसरी घटना सिंगीहा क्षेत्र के टापर पुरवा गांव में हुई, जहां तेंदुए के हमले में एक मासूम



बच्चे की जान चली गई। इन घटनाओं से क्षेत्र के लोगों में दहशत का माहौल है। रेहान खान ने कहा कि इन घटनाओं के लिए केवल वन विभाग ही नहीं, बल्कि सरकार की जवाबदेही भी तय होनी चाहिए। उन्होंने आरोप लगाया कि वन विभाग की कार्यवाई अक्सर पिंजरे लगाने तक सीमित रह जाती है, जबकि वन्यजीवों के हमलों को रोकने के लिए

स्थायी और प्रभावी व्यवस्था की जरूरत है। उन्होंने कहा कि पिछले वर्ष भी वन्यजीवों के हमलों में कई लोगों की जान जाने की घटनाएं सामने आई थीं, इसके बावजूद समस्या का स्थायी समाधान नहीं हो सका। सपा प्रदेश सचिव ने सरकार से मांग की कि दोनों मृतक बच्चों के परिजनों को 20-20 लाख रुपये का मुआवजा दिया जाए, ताकि

दुःख की इस घड़ी में पीड़ित परिवारों को आर्थिक सहायता मिल सके। उन्होंने कहा कि सरकार को प्रभावित क्षेत्रों में सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम करने चाहिए और वन्यजीवों की आवाजाही वाले इलाकों में निगरानी बढ़ानी चाहिए। रेहान खान ने कहा कि समाजवादी पार्टी की सरकार बनने पर वर्ष 2027 के बाद वन्यजीवों के हमलों से होने वाली मौतों को रोकने के लिए प्रभावी कदम उठाने और जरूरी व्यवस्थाएं विकसित करने पर काम किया जाएगा। उन्होंने कहा कि इससे और वन्यजीवों के बीच संबंधों को रोकना जरूरी है, ताकि भविष्य में किसी और परिवार को अपने मासूम बच्चे को न खोना पड़े। उन्होंने दोनों घटनाओं पर गहरा दुःख व्यक्त करते हुए सरकार और वन विभाग से तत्काल ठोस कार्रवाई करने की मांग की।

अपराधियों की उल्टी गिनती शुरू किरतपुर थाने पहुंचे अमर सिंह राठौर

जनता में विश्वास अपराधियों में भय, यही है अमर सिंह राठौर की पहचान

वेलकम इंडिया/महमूद राजा.

बिजनौर। किरतपुर पुलिस अधीक्षक कृष्ण कुमार विश्नोई ने जिस भरोसे व उम्मीद के साथ अमर सिंह राठौर को किरतपुर थाने भेजा है उस भरोसे को वह टूटने नहीं देंगे थानाध्यक्ष तेजतर्रार एवं व्यवहार कुशल अमर सिंह राठौर ने कहा कि अपने वरिष्ठ अधिकारियों के आदेश का पालन और पीड़ितों को इसाफ दिलाना उनकी दायित्व है क्राइम को ग्राउंड जीरो पर ले जाने के साथ साथ अपराधियों के खिलाफ अभियान चलाकर अपराध को जड़ से मिटाना उनकी पहली प्राथमिकता में पहले से ही शामिल रहा है। किरतपुर थानाध्यक्ष अमर सिंह राठौर ने कहा पीड़ितों को बेझिझक इजाजत होगी वह उनसे किसी भी समय सीधा संपर्क कर अपनी समस्या बता सकते हैं उन्होंने एक सवाल के जवाब में कहा इज्जत करेंगे तो इज्जत पाओगे अमर सिंह राठौर बोले हम



केवल उन्हीं का सम्मान करते हैं जो कानून की इज्जत करता हो पीड़ित को न्याय दिलाने के लिए जाने जाते हैं राठौर दर असल अमर सिंह राठौर हमेशा से ही इस बात के लिए हर समय चचाओं में रहते हैं कि वह ना दबाव में काम करते हैं ना सिफारिश मानते हैं वह केवल पीड़ित का हित सर्वोपरि

मानते हैं अमर सिंह राठौर बोले अपराधियों की अब खैर नहीं अमर सिंह राठौर ने साफ कह दिया है कि किरतपुर थाने का चार्ज लेते ही उन्होंने टॉप टेन छोटे-बड़े अपराधियों की कुंडली खंगालनी शुरू कर दी है और अभियान चला कर अपराधियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई होगी।

ब्रजघाट में अब नई जगह बनेगी मल्टीलेवल पार्किंग, 16 बीघा जमीन पर्यटन विभाग को दी

वेलकम इंडिया संवाददाता

ब्रजघाट। गंगा स्नान के लिए प्रसिद्ध ब्रजघाट में श्रद्धालुओं और पर्यटकों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने की दिशा में एक बार फिर पहल शुरू हो गई है। हाईवे-09 पर प्रस्तावित मल्टीलेवल पार्किंग और प्रवेश द्वार का निर्माण अब नई जगह पर कराया जाएगा। रेलवे लाइन के चौड़ीकरण के कारण पहले निर्धारित स्थान पर निर्माण कार्य रुक गया था। अब नगर पालिका ने इस समस्या का समाधान निकालते हुए परियोजना को नई भूमि पर आगे बढ़ाने का रास्ता साफ किया है। पर्यटन विभाग नई जगह के अनुसार दस्तावेजों में संशोधन करने के साथ विस्तृत परियोजना रिपोर्ट तैयार करेगा। इसके बाद निर्माण कार्य देबारा शुरू होने की उम्मीद है। ब्रजघाट में गंगा स्नान के लिए आने वाले श्रद्धालुओं की संख्या लगातार बढ़ रही है। विशेष पर्वों, स्नान तिथियों और बड़े धार्मिक आयोजनों

के दौरान यहां बड़ी संख्या में श्रद्धालु और पर्यटक पहुंचते हैं। इसके बावजूद पर्याप्त पार्किंग व्यवस्था नहीं होने से लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ता है। वाहन सड़क किनारे खड़े होने के कारण हाईवे-09 पर कई बार लंबा जाम लग जाता है। इससे स्थानीय लोगों के साथ-साथ गंगा स्नान के लिए आने वाले श्रद्धालुओं को भी आवागमन में दिक्कत होती है।

श्रद्धालुओं और पर्यटकों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए हाईवे-09 पर एक बार में लगभग 600 वाहनों को खड़ा करने की क्षमता वाली मल्टीलेवल पार्किंग और प्रवेश द्वार बनाने की योजना तैयार की गई थी। इसके लिए करीब 6500 वर्ग मीटर भूमि निर्धारित की गई थी। परियोजना पर लगभग 43.33 करोड़ रुपये खर्च किए जाने का प्रस्ताव था। निर्धारित योजना के अनुसार निर्माण कार्य 30 जून 2025 से शुरू होकर 29 जून 2027 तक पूरा किया जाना था।

नवमी के दिन शर्मा परिवार ने किया गृह प्रवेश

वेलकम इंडिया/नितिन शर्मा

नूरपुर। नूरपुर के ग्राम राहुनगली मे प्रधानाचार्य संजीव शर्मा ने सपरिवार गृह प्रवेश किया। गृह प्रवेश से पहले पंडित बुध प्रकाश शर्मा द्वारा पूरे विधि विधान से हवन यज्ञ किया गया। जिसमें यजमान प्रधानाचार्य संजीव शर्मा व धर्मपत्नी कनक शर्मा रहे। हवन में पूरे परिवार द्वारा आहुति दी गई। इसके बाद प्रसाद ग्रहण किया गया।

सभी ने उन्हें नए घर में प्रवेश करने पर बहुत बधाई दी। इस अवसर पर रामअवतार शर्मा, जय प्रकाश शर्मा, राकेश शर्मा विपिन कुमार शर्मा, अभिनव शर्मा, सरिता शर्मा, नितिन शर्मा, निशु शर्मा, अंशु शर्मा, वंदिता शर्मा, राम मोहन शर्मा, अंशुल शर्मा, कल्पना शर्मा, अमित शर्मा, शिखा शर्मा, सोनी शर्मा, रूबी शर्मा, पूजा शर्मा, शिवांगी शर्मा, स्विटल शर्मा, पलक शर्मा शर्मा, शांतनु शर्मा, शाश्वत शर्मा, हर्षिता भारद्वाज, सुयश



भारद्वाज, प्रंजल शर्मा, सानिध्य शर्मा, माही शर्मा आदि उपस्थित रहे।

इस अवसर पर घर को भव्य रूप से सजाया गया था।

डॉ. ढाल सिंह बिसेन ने उत्तराखण्ड के राज्यपाल पद की शपथ ली

डॉ. ढाल सिंह बिसेन बोले-उत्तराखण्ड केवल एक राज्य नहीं, बल्कि हमारी आस्था और संस्कृति का केंद्र है

वेलकम इंडिया संवाददाता

देहरादून। उत्तराखण्ड के मनोनीत राज्यपाल डॉ. ढाल सिंह बिसेन ने सोमवार को लोक भवन में आयोजित समारोह में उत्तराखण्ड के राज्यपाल पद की शपथ ग्रहण की। उत्तराखण्ड उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश जस्टिस मनोज कुमार तिवारी ने उन्हें पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई। शपथ ग्रहण समारोह के बाद राज्यपाल ने उत्तराखण्ड पुलिस द्वारा दिए गए सम्मान गार्ड का निरीक्षण किया। समारोह की शुरुआत में मुख्य सचिव आनन्द बर्द्धन ने भारत की राष्ट्रपति द्वारा जारी नियुक्ति अधिपत्र को पढ़कर सुनाया, जिसके अनुसार डॉ. ढाल सिंह बिसेन को उत्तराखण्ड का राज्यपाल नियुक्त किया गया है। कार्यक्रम का



संचालन मुख्य सचिव आनन्द बर्द्धन ने किया। शपथ ग्रहण के बाद मीडिया से बातचीत करते हुए राज्यपाल डॉ. ढाल सिंह बिसेन ने देवभूमि उत्तराखण्ड की पावन धरती और यहां की जनता को हृदय से नमन किया। उन्होंने कहा कि उन्हें इस पवित्र प्रदेश की सेवा करने का अवसर प्रदान करने

के लिए वह देश के शीर्ष नेतृत्व के प्रति आभार व्यक्त करते हैं। राज्यपाल ने कहा कि उत्तराखण्ड केवल एक राज्य नहीं, बल्कि भारत की आस्था और संस्कृति का महत्वपूर्ण केंद्र है। यह बदरीनाथ, केदारनाथ, गंगोत्री और यमुनोत्री जैसे पवित्र चारधामों की भूमि है। इसके साथ ही आदि कैलाश और



जागेश्वर धाम जैसे अलौकिक एवं आध्यात्मिक स्थल भी इस प्रदेश की विशिष्ट पहचान हैं। प्राकृतिक सौंदर्य और अद्वितीय पर्यटन स्थलों के कारण उत्तराखण्ड विश्वभर में अपनी अलग पहचान रखता है। डॉ. बिसेन ने कहा कि उत्तराखण्ड देवभूमि होने के साथ-साथ वीरभूमि भी है। यहां के अनेक



परिवारों के सदस्य देश की रक्षा के लिए सेना में अपनी सेवाएं देते हैं। प्रदेश की मातृशक्ति सशक्त और प्रेरणादायी है। यहां के युवा, किसान और समाज के विभिन्न वर्ग मेहनती, कर्मठ तथा मजबूत हैं। यही विशेषताएं उत्तराखण्ड को विकास के मार्ग पर आगे बढ़ने की शक्ति प्रदान करती हैं। उन्होंने कहा कि



प्रदेश आज विकास के विभिन्न क्षेत्रों में तेजी से आगे बढ़ रहा है। इस प्रगति को और गति देने के लिए सभी को मिलकर कार्य करना होगा, ताकि उत्तराखण्ड विकास के नए आयाम स्थापित कर सके और यहां के लोगों को बेहतर अवसर उपलब्ध हों। राज्यपाल ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के

उस विजन का उल्लेख किया, जिसमें उन्होंने बाबा केदार के प्रांगण से कहा था कि 21वीं सदी का तीसरा दशक उत्तराखण्ड का दशक होगा। उन्होंने कहा कि इस संकल्प को साकार करने के लिए प्रदेश के विकास की गति को लगातार आगे बढ़ाना और उसे नई ऊंचाइयों तक पहुंचाना आवश्यक है।

उन्होंने विश्वास जताया कि प्रदेश की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत, प्राकृतिक संसाधनों, कर्मठ जनता और युवाओं की ऊर्जा के बल पर उत्तराखण्ड विकास के नए अवसर हासिल कर सकता है। इसके लिए सरकार, समाज और विभिन्न संस्थाओं के बीच समन्वय तथा जनभागीदारी महत्वपूर्ण होगी।

दशहरा और दुर्गा प्रतिमा विसर्जन को लेकर पुलिस सतर्क, क्षेत्राधिकारी ने चौकी प्रभारियों के साथ की बैठक

संवेदनशील स्थलों पर निगरानी बढ़ाने और नियमित गश्त के निर्देश, त्योहारों में शांति व्यवस्था बिगाड़ने वालों पर होगी कड़ी कार्रवाई

वेलकम इंडिया संवाददाता

संतकबीरनगर। दशहरा पर्व और दुर्गा प्रतिमा विसर्जन को शांतिपूर्ण एवं सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न कराने के लिए संतकबीरनगर पुलिस ने सुरक्षा व्यवस्था को लेकर तैयारियां तेज कर दी हैं। इसी क्रम में पुलिस अधीक्षक संदीप कुमार मीना के निर्देशन और अपर पुलिस अधीक्षक सुशील कुमार सिंह के मार्गदर्शन में क्षेत्राधिकारी खलीलाबाद प्रियम राजशेखर पाण्डेय ने थाना कोतवाली खलीलाबाद में क्षेत्र के समस्त चौकी प्रभारियों के साथ बैठक की। बैठक में त्योहारों के दौरान शांति व्यवस्था बनाए रखने, संवेदनशील स्थलों की निगरानी और पुलिस गश्त को प्रभावी बनाने सहित विभिन्न महत्वपूर्ण बिंदुओं पर चर्चा की गई। बैठक के दौरान क्षेत्राधिकारी ने थाना क्षेत्र में शांति व्यवस्था की स्थिति की समीक्षा की। साथ ही दुर्गा प्रतिमा विसर्जन के दौरान संभावित संवेदनशील



स्थलों, विवादित बिंदुओं और भीड़भाड़ वाले क्षेत्रों में सतर्कता बरतने पर जोर दिया। सभी चौकी प्रभारियों को निर्देशित किया गया कि वे अपने-अपने क्षेत्रों में लगातार भ्रमण करें और सुरक्षा व्यवस्था पर विशेष ध्यान दें। उन्होंने कहा कि त्योहारों के दौरान पुलिस की सक्रियता और सतर्कता बेहद आवश्यक है। किसी भी स्थान पर विवाद या तनाव की स्थिति उत्पन्न होने की आशंका मिलने पर तत्काल आवश्यक कदम उठाए जाएं, ताकि छोटी घटना भी गंभीर रूप न ले

सके। क्षेत्राधिकारी ने सभी चौकी प्रभारियों को असामाजिक तत्वों पर सतर्क दृष्टि रखने के निर्देश दिए। उन्होंने स्पष्ट किया कि किसी भी प्रकार की अफवाह, आपसी विवाद या संदिग्ध गतिविधि की जानकारी मिलने पर तत्काल वरिष्ठ अधिकारियों को अवगत कराया जाए। इसके साथ ही क्षेत्र में नियमित गश्त और निगरानी के माध्यम से कानून-व्यवस्था बनाए रखने पर जोर दिया गया। बैठक में यह भी स्पष्ट किया गया कि दशहरा और दुर्गा प्रतिमा

विसर्जन जैसे धार्मिक आयोजनों के दौरान सभी पुलिसकर्मी अपनी जिम्मेदारियों का पूरी गंभीरता से निर्वहन करें। सुरक्षा व्यवस्था में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी और लापरवाही सामने आने पर संबंधित के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई की जाएगी। क्षेत्राधिकारी प्रियम राजशेखर पाण्डेय ने निर्देश दिया कि शासन की मंशा के अनुरूप सभी त्योहारों को शांतिपूर्ण, सौहार्दपूर्ण और कानून-व्यवस्था के दायरे में संपन्न कराया जाए। पुलिस का

प्रयास होना चाहिए कि आम नागरिकों को किसी प्रकार की परेशानी न हो और श्रद्धालु सुरक्षित वातावरण में धार्मिक कार्यक्रमों में भाग ले सकें। बैठक के माध्यम से सभी चौकी प्रभारियों को सुरक्षा व्यवस्था के प्रति पूरी तरह सजग रहने और अपने-अपने क्षेत्रों में लगातार निगरानी बनाए रखने के निर्देश दिए गए। पुलिस प्रशासन ने स्पष्ट किया कि त्योहारों के दौरान शांति, आपसी सद्भाव और सुरक्षा सुनिश्चित करना सर्वोच्च प्राथमिकता है।

काम सिखाने के नाम पर 1.10 लाख रुपये हड़पने का आरोप, जान से मारने की धमकी

वेलकम इंडिया/मोहसिन रहमानी

कांथला। कस्बे के मोहल्ला रायजादगान निवासी एक युवक ने गाजियाबाद के हैयर सैलून संचालक पर काम सिखाने के नाम पर 1.10 लाख रुपये लेने और रुपये वापस मांगने पर गाली-गलौज कर जान से मारने की धमकी देने का आरोप लगाया है। पीड़ित ने थाने में तहरीर देकर आरोपी के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है। सोमवार को मोहल्ला रायजादगान निवासी सावेज ने थाने पहुंचकर पुलिस को तहरीर दी। उसने बताया कि उसने अपने साले को गाजियाबाद निवासी एक हैबर सैलून संचालक के यहां काम सीखने के लिए भेजा था। आरोप है कि संचालक ने अनलिमिटेड काम सिखाने के नाम पर 1.10 लाख रुपये लिए थे। इसके बावजूद उसके साले को काम नहीं सिखाया गया और उसे वापस भेज दिया गया सावेज के अनुसार, जब



उसने संचालक से अपने रुपये वापस मांगे तो आरोपी ने उसके साथ गाली-गलौज की और जान से मारने की धमकी दी। पीड़ित ने मामले में जांच कर कार्रवाई करने की मांग की है। पुलिस ने तहरीर के आधार पर मामले की जांच कर उचित कार्रवाई का आश्वासन दिया है।

दशहरा और दुर्गा प्रतिमा विसर्जन को लेकर एसपी ने बखिरा में किया पैदल गश्त, सुरक्षा व्यवस्था का लिया गया जायजा

पुलिस अधीक्षक संदीप कुमार मीना ने आमजन से किया संवाद, शांतिपूर्ण तरीके से त्योहार मनाने की अपील

वेलकम इंडिया संवाददाता

संतकबीरनगर। आगामी दशहरा पर्व एवं दुर्गा प्रतिमा विसर्जन को शांतिपूर्ण, सुरक्षित और सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न कराने के उद्देश्य से पुलिस प्रशासन ने सुरक्षा व्यवस्था को लेकर सतर्कता बढ़ा दी है। इसी क्रम में पुलिस अधीक्षक संदीप कुमार मीना ने पर्याप्त पुलिस बल के साथ थाना बखिरा क्षेत्र के कस्बा बखिरा में पैदल गश्त कर सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया। इस दौरान उन्होंने आमजन से संवाद स्थापित करते हुए लोगों को सुरक्षा का भरोसा दिलाया और त्योहारों को आपसी भाईचारे तथा शांति के साथ मनाने की अपील की। पैदल गश्त के दौरान पुलिस अधीक्षक ने कस्बे के विभिन्न क्षेत्रों में सुरक्षा इंतजामों का



निरीक्षण किया। उन्होंने पुलिसकर्मियों को निर्देश दिए कि दशहरा पर्व और दुर्गा प्रतिमा विसर्जन के दौरान पूरी सतर्कता के साथ ड्यूटी करें। विशेष रूप से संवेदनशील स्थानों पर निगरानी बनाए रखने, भीड़भाड़ वाले क्षेत्रों में चौकसी बरतने और कानून-व्यवस्था से जुड़ी किसी भी स्थिति पर तत्काल कार्रवाई करने के निर्देश दिए गए।

एसपी ने आमजन से अपील की कि सभी लोग त्योहारों को आपसी सौहार्द, भाईचारे और शांतिपूर्ण वातावरण में मनाएं। किसी भी प्रकार की अफवाह पर ध्यान न दें और बिना पुष्टि के कोई भी भ्रामक सूचना आगे न फैलाएं। उन्होंने कहा कि त्योहारों के दौरान शांति एवं सामाजिक सद्भाव बनाए रखना सभी की सामूहिक

जिम्मेदारी है। पुलिस प्रशासन आमजन की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए पूरी तरह सक्रिय है। पुलिस अधीक्षक संदीप कुमार मीना ने स्पष्ट किया कि जनपद में शांति, सुरक्षा और कानून-व्यवस्था बनाए रखना पुलिस की प्राथमिकता है। त्योहारों के दौरान माहौल बिगाड़ने या अव्यवस्था उत्पन्न करने वाले तत्वों पर सतर्क दृष्टि रखी जा रही है। पुलिस बल लगातार क्षेत्र में सक्रिय रहकर सुरक्षा व्यवस्था की निगरानी कर रहा है, ताकि सभी पर्व सकुशल संपन्न हो सकें। पैदल गश्त के दौरान क्षेत्राधिकारी मेहदावल सर्व दवन सिंह, बखिरा की अधिशासी अधिकारी सीमा राय, पुलिस अधीक्षक के जनसंपर्क अधिकारी पी.के. गुप्ता सहित अन्य अधिकारी एवं पुलिसकर्मी उपस्थित रहे।

दुकान के बाहर से साइकिल चोरी, सीसीटीवी में कैद हुआ युवक

कांथला (वेलकम इंडिया)। नगर के रेलवे रोड पर मनोज पेंटिंग की दुकान के बाहर खड़ी साइकिल चोरी कर एक युवक फरार हो गया। साइकिल चोरी की घटना दुकान के बाहर लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई। पीड़ित दुकानदार ने सीसीटीवी फुटेज सोशल मीडिया पर वायरल करते हुए पुलिस से कार्रवाई की मांग की है। मामले में दुकानदार ने पुलिस को तहरीर देकर साइकिल बरामद कराने की गुहार लगाई है। नगर के रेलवे रोड पर मनोज पेंटिंग की दुकान के बाहर एक साइकिल खड़ी थी। इसी दौरान एक युवक मौके पर पहुंचा और साइकिल चोरी कर ले गया। घटना के बाद दुकानदार ने आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली तो उसमें युवक साइकिल ले जाता दिखाई दिया। इसके बाद दुकानदार ने सीसीटीवी फुटेज सोशल मीडिया पर वायरल कर दी, ताकि युवक की पहचान हो सके।



दुकानदार ने पुलिस से मामले का सज्ञान लेकर साइकिल बरामद कराने और आरोपी के खिलाफ कार्रवाई करने की मांग की है। पुलिस तहरीर के आधार पर मामले की जांच करते हुए साइकिल चोर की तलाश में जुटी है।

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने 20.55 करोड़ रुपये की पांच योजनाओं का किया शिलान्यास एवं लोकार्पण

वेलकम इंडिया संवाददाता

देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने सोमवार को सेलाकुई स्थित हेमवती नंदन बहुगुणा उत्तराखण्ड चिकित्सा शिक्षा विश्वविद्यालय परिसर में आयोजित कार्यक्रम में 20.55 करोड़ रुपये की पांच योजनाओं का शिलान्यास एवं लोकार्पण किया। इनमें 20.21 करोड़ रुपये की तीन योजनाओं का शिलान्यास तथा 34 लाख रुपये की दो योजनाओं का लोकार्पण शामिल है। मुख्यमंत्री ने विश्वविद्यालय परिसर में प्रस्तावित प्रशासनिक भवन, एम्प्लीथिएटर एवं नक्षत्र वाटिका का शिलान्यास तथा विश्वविद्यालय के मुख्य द्वार एवं दंत चिकित्सालय का लोकार्पण किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने मां सरस्वती की पूजा-अर्चना की और स्वर्गीय हेमवती नंदन बहुगुणा की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजलि दी। मुख्यमंत्री ने कहा कि युवाओं के बीच आकर उन्हें हमेशा नई ऊर्जा मिलती है। हेमवती नंदन बहुगुणा उत्तराखण्ड



चिकित्सा शिक्षा विश्वविद्यालय प्रदेश में चिकित्सा शिक्षा के विकास और युवाओं के भविष्य निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। विश्वविद्यालय परिसर में नई सुविधाओं के विकास से विद्यार्थियों को बेहतर शैक्षणिक वातावरण मिलेगा और क्षेत्र के विकास को भी गति मिलेगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार का प्रयास है कि प्रदेश में चिकित्सा शिक्षा प्राप्त करने वाला प्रत्येक विद्यार्थी एक कुशल चिकित्सक, नर्सिंग अधिकारी अथवा

अन्य स्वास्थ्य पेशेवर के रूप में अपनी सेवाएं दे सके। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि यहां के विद्यार्थी भविष्य में अपनी योग्यता, मेहनत और सेवाभाव से विश्वविद्यालय के साथ ही उत्तराखण्ड का नाम भी रोशन करेंगे। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार ने विश्वविद्यालय परिसर में सुपर स्पेशियलिटी अस्पताल की स्थापना के लिए केंद्र सरकार के स्वास्थ्य मंत्रालय को प्रस्ताव भेजा है। केंद्र सरकार से स्वीकृति मिलने के बाद इस दिशा में



आगे कार्य किया जाएगा। उन्होंने कहा कि चिकित्सा क्षेत्र से जुड़े लोगों पर समाज की बड़ी जिम्मेदारी होती है। चिकित्सक और स्वास्थ्यकर्मी लोगों का जीवन बचाने के साथ ही उन्हें नया जीवन देने का कार्य करते हैं। इसलिए चिकित्सा पेशे में सेवा, संवेदनशीलता और समर्पण का विशेष महत्व है। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में देश में चिकित्सा शिक्षा और स्वास्थ्य सेवाओं का व्यापक विस्तार हुआ है। नए एम्स

और मेडिकल कॉलेजों की स्थापना के साथ आधुनिक स्वास्थ्य सुविधाएं विकसित की जा रही हैं। उत्तराखण्ड सरकार भी इसी दिशा में लगातार कार्य कर रही है। प्रदेश में वर्तमान में पांच राजकीय मेडिकल कॉलेज संचालित हैं, जबकि दो निगमोन्धीन हैं। इसके अतिरिक्त नौ नर्सिंग कॉलेज और तीन नर्सिंग स्कूल संचालित किए जा रहे हैं। देहरादून, हल्द्वानी और श्रीनगर में मेडिकल कॉलेजों में सुपर स्पेशियलिटी सेवाओं का विस्तार किया जा रहा है।



मुख्यमंत्री ने कहा कि हल्द्वानी में आधुनिक कैन्सर संस्थान का निर्माण किया जा रहा है। जिला अस्पतालों और सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों में भी सुविधाओं को सुदृढ़ बनाया जा रहा है। ऊधमसिंह नगर जनपद के किच्छा में 351 करोड़ रुपये की लागत से एम्स सेटेलाइट सेंटर का निर्माण किया जा रहा है, जिससे क्षेत्र की बड़ी आबादी को आधुनिक स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ मिलेगा। दूरस्थ और दुर्गम क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवाओं की पहुंच बढ़ाने

के लिए टेलीमेडिसिन और हेली एंबुलेंस जैसी सुविधाएं भी उपलब्ध कराई जा रही हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश के सरकारी अस्पतालों और मेडिकल कॉलेजों में चिकित्सकों, नर्सिंग अधिकारियों एवं पैरामेडिकल कर्मिकों की नियुक्तियों के साथ ही प्रशिक्षण सुविधाओं को बेहतर बनाया जा रहा है। युवाओं को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर रोजगार के अवसर उपलब्ध कराने के लिए विदेशी भाषाओं का प्रशिक्षण भी दिया जा रहा है। इसके अंतर्गत वर्ष 2023 में

60 अभ्यर्थियों को जापान तथा वर्ष 2025 में 13 अभ्यर्थियों को जर्मनी में रोजगार मिला है। मुख्यमंत्री ने जर्मन भाषा का प्रशिक्षण प्राप्त कर जर्मनी में रोजगार पाने वाली उत्तराखण्ड की सपना राणा का उल्लेख करते हुए कहा कि प्रदेश के युवा अपनी प्रतिभा और कौशल से अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहचान बना रहे हैं। उन्होंने सपना राणा से हुई बातचीत का जिक्र करते हुए कहा कि सरकार के प्रयासों से युवाओं को विदेशों में भी रोजगार के नए अवसर प्राप्त हो रहे हैं।

मूर्ति विसर्जन से पहले डीएम- एसपी ने सुरक्षा व्यवस्था परखी

गहरे पानी में जाने से रोकने के लिए सीमांकन का लिया जायजा

वेलकम इंडिया संवाददाता

पूरनपुर/पीलीभीत। नवरात्र के बाद मूर्ति विसर्जन के दौरान श्रद्धालुओं की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए जिला प्रशासन और पुलिस विभाग सतर्क हो गया है। सोमवार को जिलाधिकारी आलोक कुमार और पुलिस अधीक्षक सुकीर्ति माधव ने धनराघाट पहुंचकर विसर्जन स्थल का स्थलीय निरीक्षण किया। अधिकारियों ने घाट पर सुरक्षा व्यवस्था, नदी के जलस्तर और आपातकालीन परिस्थितियों से निपटने के लिए किए गए इंतजामों का जायजा लिया। इस दौरान संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए गए कि मूर्ति विसर्जन के दौरान श्रद्धालुओं की सुरक्षा में किसी भी तरह की लापरवाही न बरती जाए।धनराघाट पर निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी और पुलिस



अधीक्षक ने श्रद्धालुओं की सुरक्षित आवाजाही के लिए निर्धारित व्यवस्थाओं को देखा। नदी के गहरे पानी में जाने से रोकने के लिए किए गए सीमांकन की स्थिति का भी जायजा लिया गया। अधिकारियों ने यह सुनिश्चित करने पर जोर दिया कि

श्रद्धालु निर्धारित सुरक्षित क्षेत्र में ही रहें और विसर्जन के दौरान किसी प्रकार की अव्यवस्था उत्पन्न न हो। पुलिस अधीक्षक सुकीर्ति माधव ने भी मूर्ति विसर्जन के दौरान सुरक्षा और व्यवस्था बनाए रखने के लिए सतर्कता बरतने पर जोर दिया। अधिकारियों को

आपात स्थिति से निपटने के इंतजामों की जांच

नदी में मूर्ति विसर्जन के दौरान किसी अप्रिय घटना की आशंका को देखते हुए अधिकारियों ने घाट पर तैनात गोताखोरों और उपलब्ध नावों की व्यवस्था का भी निरीक्षण किया। आपातकालीन स्थिति में तत्काल बचाव कार्य शुरू करने के लिए जरूरी संसाधनों की उपलब्धता और उनकी उपयोगिता पर ध्यान दिया गया। प्रशासन ने स्पष्ट किया कि विसर्जन के दौरान किसी भी आपातस्थिति से निपटने के लिए संबंधित कर्मचारी सतर्क रहें और जरूरत पड़ने पर तत्काल कार्रवाई करें।जिलाधिकारी आलोक कुमार ने अधिकारियों को नदी के जलस्तर पर लगातार निगरानी रखने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि घाट पर सुरक्षा के लिए निर्धारित सभी व्यवस्थाएं प्रभावी ढंग से लागू रहनी चाहिए। संभावित खतरों की स्थिति में बिना देरी किए आवश्यक कदम उठाए जाएं, जिससे श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की परेशानी का सामना न करना पड़े।

निर्देशित किया गया कि श्रद्धालुओं की सुविधा के साथ उनकी सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जाए। घाट पर मौजूद व्यवस्थाओं की निगरानी रखी जाए और सभी संबंधित विभाग आपसी समन्वय के साथ जिम्मेदारी निभाएं।धनराघाट पर निरीक्षण के

दौरान उप जिलाधिकारी पूरनपुर सहित संबंधित अधिकारी मौजूद रहे। प्रशासन का जोर मूर्ति विसर्जन को शांतिपूर्ण, सुरक्षित और व्यवस्थित ढंग से संपन्न कराने पर है, ताकि श्रद्धालु बिना किसी जोखिम के धार्मिक अनुष्ठान पूरा कर सकें।

गौरा-गौरी के सात फेरों के बाद घरों में बजेंगे शहनाइयों के सुर

मिट्टी के चौकला-चौकली और गौरा-गौरी के विवाह से लौटी लोकसंस्कृति की रौनक

वेलकम इंडिया संवाददाता

पूरनपुर/पीलीभीत। आधुनिकता के दौर में जहां शादी-विवाह की परंपराएं बदल रही हैं, वहीं ग्रामीण अंचलों में सदियों पुरानी लोकपरंपराएं आज भी आस्था और उल्लास के साथ निभाई जा रही हैं। नवरात्र पर्व पर गौरा-गौरी के विवाह की रस्म के साथ गांवों में विवाह समारोहों के शुभारंभ का मान्यता जुड़ी है। इसी परंपरा के तहत जिलेभर कई कस्बों और गांवों में गौरा-गौरी और चौकला-चौकली का विवाह धूमधाम से मनाया गया। महिलाओं, पुरुषों और बच्चों ने सामूहिक रूप से धार्मिक अनुष्ठान में भाग लेकर अपनी सांस्कृतिक विरासत को जीवंत रखा।गांवों में शाम होते ही इस पारंपरिक आयोजन की तैयारियां शुरू हो गईं। महिलाएं मिट्टी से गौरा-गौरी की प्रतिमाएं सजाकर लाईं, पुरुष कागज और मिट्टी के चौकले लेकर



पहुंचे, जबकि बच्चों ने मिट्टी के हुक्के तैयार किए। इसके बाद सभी लोग निर्धारित स्थान पर कुएं के पास एकत्र हुए। कलीनगर के शिव मंदिर पर सकटे लाल शर्मा ने विधि-विधान और पारंपरिक रीति-रिवाजों के बीच गौरा-गौरी के विवाह की रस्म निभाई। सात फेरों के साथ विवाह संपन्न कराया गया। मान्यता है कि गौरा-गौरी के विवाह के बाद ही हिंदू धर्म में शादी-ब्याह के शुभ

मुहूर्त की शुरूआत होती है।

लोकगीत, भजन और प्रसाद ने बांधा समां

विवाह की रस्म के दौरान महिलाओं ने एक-दूसरे को भुने हुए चने, मक्का और चावल के फूले वितरित किए। इसके बाद भजन-कीर्तन के माध्यम से धार्मिक माहौल को और भक्तिमय बनाया गया। सुबह

होने पर सभी लोग चौकलों को तालाब तक ले गए, जहां उनका विसर्जन किया गया। इस आयोजन में केवल धार्मिक आस्था ही नहीं, बल्कि सामूहिक सहभागिता और पीढ़ियों से चली आ रही ग्रामीण संस्कृति की झलक भी देखने को मिली।

कई गांवों में निभाई गई परंपरा

पूरनपुर क्षेत्र के गांव खाता, अमरैयाकलां, सुखदासपुर, गोटिया, तर्किया दीनारपुर, रघुनाथपुर, महादिया, प्रसादपुर, रम्पुराफकीर, देवीपुर, ककरीआ, नवदियाधनेश, पिपरिया दुलई और कलीनगर के गांव माधोढांडा धरमंदपुर, पिपरिया संतोष, भीमपुर सहित कई गांवों में भी चौकला-चौकली का समारोह मनाया गया। ग्रामीण क्षेत्रों में इस तरह के आयोजन लोक आस्था, पारिवारिक परंपराओं और सामाजिक एकजुटता को बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं।

बैल्ह्हा सचिवालय में बढ़ेंगी सुविधाएं, लाइब्रेरी में कंप्यूटर, कैमरे लगाने के लिए शासन से धनराशि मिलने का इंतजार

कार्ययोजना में शामिल हुए कैमरे और सौंदर्यीकरण के कार्य,वाई-फाई लगा

वेलकम इंडिया संवाददाता

पीलीभीत। ग्राम पंचायत बैल्ह्हा में पंचायत सचिवालय की व्यवस्थाओं को बेहतर बनाने और ग्रामीणों को सुविधाएं उपलब्ध कराने की दिशा में पहल की जा रही है। सचिवालय के सौंदर्यीकरण, फर्नीचर की व्यवस्था और सीसीटीवी कैमरे लगवाने से जुड़े कार्यों को वित्तीय वर्ष 2026-27 की कार्ययोजना में शामिल किया गया है। वहीं, लाइब्रेरी के लिए कंप्यूटर सिस्टम उपलब्ध कराने और इन सुविधाओं के शुरू होने से पंचायत सचिवालय की कार्यप्रणाली को अधिक व्यवस्थित बनाने में मदद मिल सकती है।ग्राम पंचायत बैल्ह्हा के सचिव प्रेम शंकर के



अनुसार, सचिवालय में कुछ फर्नीचर पहले से उपलब्ध है। जरूरत के मुताबिक अतिरिक्त फर्नीचर की व्यवस्था भी कराई जाएगी। पंचायत सचिवालय में सीसीटीवी कैमरे लगाने का कार्य भी वर्ष 2026-27 की कार्ययोजना में शामिल है। शासन से धनराशि प्राप्त होने के बाद नियमानुसार कैमरे लगवाए जाएंगे। इससे

सचिवालय परिसर की सुरक्षा और वहां होने वाली गतिविधियों पर निगरानी रखने में मदद मिलने की उम्मीद है।ग्राम पंचायत सचिवालय में लाइब्रेरी की व्यवस्था को उपयोगी बनाने के लिए कंप्यूटर सिस्टम की आवश्यकता है। फिलहाल कंप्यूटर सिस्टम प्राप्त नहीं हुए हैं। सचिव के मुताबिक, कंप्यूटर उपलब्ध होते ही उन्हें लाइब्रेरी में

बैल्हा सचिवालय का होगा सौंदर्यीकरण, वाई-फाई शुरू: ग्राम पंचायत सचिव प्रेम शंकर

ग्राम पंचायत बैल्हा के सचिवालय में सौंदर्यीकरण और आवश्यक सुविधाएं बढ़ाने के लिए कार्ययोजना वर्ष 2026-27 में कार्य शामिल किए गए हैं। सचिवालय में कुछ फर्नीचर पहले से उपलब्ध है। जरूरत के अनुसार अतिरिक्त फर्नीचर की व्यवस्था भी कराई जाएगी। सीसीटीवी कैमरों का वह कंप्यूटर सिस्टम कार्य योजना में शामिल है शासन से धनराशि आते ही लगावा दिये जाएंग। वाई-फाई नियमवार सुबह लगा दिया गया है। शासन से धनराशि उपलब्ध होने पर सोमानुसार अन्य जरूरी कार्य भी कराए जायेंगे।

स्थापित करा दिया जाएगा। इससे लाइब्रेरी की सुविधाओं को आगे बढ़ाने का रास्ता साफ होगा।डिजिटल सुविधाओं को बेहतर बनाने के लिए, वाई-फाई कनेक्शन भी जरूरी है।वाई-फाई लगा दिया गया है। पंचायत सचिव प्रेम शंकर ने बताया कि पंचायत

सचिवालय में उपलब्ध संसाधनों का उपयोग करते हुए जरूरी सुविधाएं बढ़ाई जा रही हैं। कंप्यूटर मिलते ही लाइब्रेरी में स्थापित कराए जाएंगे, जबकि कैमरे लगाने के लिए शासन से धनराशि मिलने का इंतजार है। वाई-फाई का ऑर्डर भी दिया जा चुका है।

नवमी पर हवन-पूजन के साथ कन्या भोज, मंदिरों में उमड़ी श्रद्धालुओं की भीड़

यशवंती देवी मंदिर सहित जिलेभर के धार्मिक स्थलों पर हुए धार्मिक आयोजन



वेलकम इंडिया संवाददाता

पीलीभीत। शारदीय नवरात्र के अंतिम दिन नवमी पर जिलेभर में श्रद्धा और भक्ति का माहौल रहा। घरों से लेकर मंदिरों तक हवन-पूजन के आयोजन किए गए। श्रद्धालुओं ने न कन्याओं को हलवा, पूरी और चने का भोज कराकर उनका पूजन किया। इसके बाद व्रत का पारण किया।पीलीभीत के यशवंती देवी मंदिर सहित अन्य धार्मिक स्थलों पर भी दर्शन-पूजन के लिए श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ी। पूरनपुर के देवी स्थान

मंदिर, कलीनगर के बराही देवी के अलावा बीसलपुर, अमरिया, जहानाबाद, बिलसंडा सहित अन्य क्षेत्र में भी पूजा पाठ किया गया। नवरात्र की नवमी पर लोगों ने घरों में विधि-विधान से हवन-पूजन कर माता रानी से परिवार की सुख-समृद्धि और खुशहाली की कामना की। इसके बाद कन्याओं को भोजन कराकर उनका आशीर्वाद लिया। कई गांवों में भी सामूहिक पूजा का आयोजन किया गया। गांवों के देवी स्थानों पर परंपरा के अनुसार विशाल हवन

कराया गया।ग्रामीण क्षेत्रों में साल में दो बार होने वाली इस सामूहिक पूजा का विशेष महत्व है। ग्रामीणों के अनुसार, गांव की सलामती, सुख-शांति और खुशहाली की कामना के लिए यह आयोजन किया जाता है। नवमी के अवसर पर हुए धार्मिक अनुष्ठानों में श्रद्धालुओं ने बड़-चढ़कर भाग लिया। कन्याओं को हलवा, पूरी और चने का प्रसाद खिलाया गया। नवरात्र के समापन पर मंदिरों और गांव में भक्तिमय वातावरण बना रहा।



शिक्षा से रोजगार तक का रास्ता, आर्थिक आत्मनिर्भरता की मजबूत नींव तैयार कर रही सरकार

छात्रवृत्ति, उच्च शिक्षा, कौशल विकास और सस्ती दरों पर ऋण सहायता से वंचित वर्गों के युवाओं को मिल रहे आगे बढ़ने के अवसर

वेलकम इंडिया/संतोष कुमार सिंह

वाराणसी। शिक्षा केवल ज्ञान प्राप्त करने का माध्यम नहीं, बल्कि आर्थिक आत्मनिर्भरता और सामाजिक सशक्तिकरण की दिशा में आगे बढ़ने का महत्वपूर्ण रास्ता है। जब कोई युवा अपनी पढ़ाई पूरी करके रोजगार या कारोबार की तैयारी शुरू करता है, तब उसे आर्थिक सहायता, उचित मार्गदर्शन और अवसरों की आवश्यकता होती है। इसी उद्देश्य को ध्यान में रखते हुए भारत सरकार के सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय ने छात्रवृत्ति, उच्च शिक्षा, शोध, कौशल विकास और उद्यमिता से जुड़ी विभिन्न योजनाओं के माध्यम से सहायता की व्यवस्था की है। सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय के सचिव सुधांशु पंत के

अनुसार, इन योजनाओं का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि विद्यार्थियों को शिक्षा के दौरान मिलने वाली सहायता आगे चलकर रोजगार, शोध और स्वरोजगार के अवसरों का रास्ता खोले। इसका लक्ष्य ऐसी निरंतर व्यवस्था विकसित करना है, जिसमें आर्थिक रूप से कमजोर और वंचित वर्गों के युवा अपनी योग्यता के अनुसार आगे बढ़ सकें तथा आत्मनिर्भर बन सकें। आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों के विद्यार्थियों के सामने कई बार स्कूली शिक्षा पूरी करने के बाद पढ़ाई जारी रखने की चुनौती खड़ी हो जाती है। ऐसे विद्यार्थियों की मदद के लिए पूर्व-मैट्रिक और उत्तर-मैट्रिक छात्रवृत्ति योजनाएं महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। पूर्व-मैट्रिक छात्रवृत्ति के माध्यम से पात्र विद्यार्थियों को नौवीं और दसवीं कक्षा तक पढ़ाई जारी रखने में सहायता

मिलती है, जबकि उत्तर-मैट्रिक छात्रवृत्ति उच्च शिक्षा से जुड़े पात्र खर्चों में मदद करती है। लेख के अनुसार, पिछले 12 वर्षों में अनुसूचित जाति, अन्य पिछड़ा वर्ग और अन्य पात्र विद्यार्थियों के लिए संचालित पूर्व-मैट्रिक एवं उत्तर-मैट्रिक छात्रवृत्ति योजनाओं के तहत 19.8 करोड़ से अधिक लाभार्थियों को 65,756 करोड़ रुपये से अधिक की राशि जारी की गई है। यह सहायता विद्यार्थियों को आर्थिक बाधाओं के बावजूद अपनी शिक्षा जारी रखने में मदद देने के उद्देश्य से प्रदान की गई है। छात्रवृत्ति वितरण व्यवस्था को अधिक पारदर्शी बनाने के लिए वर्ष 2021-22 से योजनाओं को प्रत्यक्ष लाभ अंतरण से जोड़ा गया। इसके साथ ही रिकॉर्ड का मिलान, बायोमेट्रिक पहचान सत्यापन और एक बार पंजीकरण जैसी व्यवस्थाएं लागू



की गई। डिजिटलाइज्ड तथा शिक्षा से संबंधित विभिन्न सरकारी आंकड़ा प्रणालियों के साथ एकीकरण से भी व्यवस्था को मजबूत करने का प्रयास किया गया है। इन उपायों का उद्देश्य पात्र विद्यार्थियों तक सहायता पहुंचाना

और दोहराव तथा अनियमितताओं की आशंका कम करना है। स्कूली शिक्षा पूरी करने के बाद भी अनेक विद्यार्थियों के सामने आर्थिक कठिनाइयां बनी रहती हैं। ऐसे में उच्च शिक्षा से जुड़ी योजनाएं उनकी आगे की पढ़ाई को जारी रखने में मदद करती हैं। शीर्ष श्रेणी शिक्षा योजना के अंतर्गत निर्धारित प्रमुख शिक्षण संस्थानों में प्रवेश पाने वाले पात्र विद्यार्थियों को शिक्षण शुल्क और अन्य स्वीकृत शैक्षणिक खर्चों के लिए सहायता दी जाती है। शोध के क्षेत्र में आगे बढ़ने के इच्छुक विद्यार्थियों के लिए राष्ट्रीय फेलोशिप योजना के तहत वजीफ और आकस्मिक खर्चों की सहायता का प्रावधान है। वहीं, राष्ट्रीय विदेशी छात्रवृत्ति योजना चर्चनित विद्यार्थियों को विदेश के प्रतिष्ठित विश्वविद्यालयों में स्नातकोत्तर और

डॉक्टरेट की पढ़ाई करने का अवसर प्रदान करती है। अन्य पिछड़ा वर्ग, आर्थिक रूप से पिछड़े वर्ग और विमुक्त जनजातियों से संबंधित पात्र विद्यार्थियों को प्रधानमंत्री यंग अचीवर्स छात्रवृत्ति पुरस्कार योजना के माध्यम से भी सहायता दी जाती है। इन योजनाओं का उद्देश्य विद्यार्थियों को स्कूली शिक्षा से लेकर उच्च अध्ययन और शोध तक आगे बढ़ने के अवसर उपलब्ध कराना है।

दूसरे शहर में पढ़ाई करने वाले विद्यार्थियों के सामने केवल शिक्षण शुल्क ही नहीं, बल्कि सुरक्षित और किफायती आवास की व्यवस्था करना भी बड़ी चुनौती होती है। आवास का खर्च परिवारों पर अतिरिक्त आर्थिक बोझ डाल सकता है और कई बार विद्यार्थियों की पढ़ाई भी प्रभावित होती है। इस समस्या को ध्यान में रखते हुए

प्रधानमंत्री अनुसूचित जाति अभ्युदय योजना के छात्रावास घटक और अन्य पिछड़ा वर्ग के लड़कों एवं लड़कियों के लिए छात्रावास निर्माण योजना के माध्यम से आवासीय सुविधाओं तक पहुंच बढ़ाने का प्रयास किया जा रहा है। इसका उद्देश्य विद्यार्थियों को ऐसा वातावरण उपलब्ध कराना है, जहां वे आर्थिक और बुनियादी सुविधाओं से जुड़ी परेशानियों के बिना अपनी पढ़ाई पूरी कर सकें।

शिक्षा का उद्देश्य केवल नौकरी प्राप्त करना ही नहीं, बल्कि नए विचारों को विकसित करना और रोजगार के अवसर पैदा करना भी है। कई युवा अपना कारोबार शुरू करना चाहते हैं, लेकिन पर्याप्त पूंजी के अभाव में उनके लिए आगे बढ़ना कठिन हो जाता है। ऐसे युवाओं की मदद के लिए मंत्रालय की विभिन्न आर्थिक सहायता योजनाएं

महत्वपूर्ण हैं। अंबेडकर सामाजिक नवाचार एवं इन्क्यूबेशन मिशन के तहत युवा नवोन्मेषकों और शोधार्थियों को नए विचारों को व्यावहारिक उद्यम में बदलने के लिए 30 लाख रुपये तक की वित्तीय सहायता का प्रावधान बताया गया है। इसका उद्देश्य नवाचार और ज्ञान को आर्थिक अवसरों से जोड़ना तथा युवाओं को उद्यमिता के लिए प्रोत्साहित करना है। इसके अतिरिक्त वेंचर कैपिटल फंड के माध्यम से पात्र उद्यमों को रियायती दरों पर वित्तीय सहायता उपलब्ध कराई जाती है। लेख के अनुसार, इस फंड के अंतर्गत चार प्रतिशत ब्याज दर पर ऋण की व्यवस्था है, जिससे पात्र उद्यमियों को सहायता उपलब्ध कराने या उसका विस्तार करने के लिए अपेक्षाकृत कम लागत पर पूंजी प्राप्त करने में मदद मिल सकती है।

किसान मोर्चा के नवनियुक्त अध्यक्ष राजेंद्र शंकर सिंह पटेल का भव्य स्वागत

महानगर अध्यक्ष प्रदीप अग्रहरि ने अंगवस्त्र और माल्यार्पण कर किया सम्मानित, किसानों के हितों की रक्षा को बताया पार्टी की प्राथमिकता

वेलकम इंडिया/संतोष कुमार सिंह

वाराणसी। भारतीय जनता पार्टी के महानगर कार्यालय गुलाबबाग में सोमवार, 19 अक्टूबर को किसान मोर्चा के नवनियुक्त अध्यक्ष राजेंद्र शंकर सिंह पटेल के सम्मान में भव्य स्वागत समारोह आयोजित किया गया। इस दौरान पार्टी पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं ने उनका गर्मजोशी से स्वागत करते हुए नई जिम्मेदारी के लिए शुभकामनाएं दीं। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित भाजपा महानगर अध्यक्ष प्रदीप अग्रहरि ने राजेंद्र शंकर सिंह पटेल का माल्यार्पण कर तथा अंगवस्त्र भेंटकर सम्मानित किया। उन्होंने विश्वास जताया कि नवनियुक्त अध्यक्ष के नेतृत्व में किसान मोर्चा संगठन को और मजबूत बनाने के साथ किसानों की समस्याओं को प्रमुखता से उठाएगा। कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए महानगर अध्यक्ष



प्रदीप अग्रहरि ने कहा कि किसानों की खुशहाली और उनके अधिकारों की रक्षा भाजपा सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में शामिल है। उन्होंने उम्मीद जताई कि राजेंद्र शंकर सिंह पटेल के कुशल नेतृत्व में किसान मोर्चा जमीनी स्तर पर संगठन को मजबूत करेगा और किसानों के हितों के लिए

पूरी प्रतिबद्धता के साथ कार्य करेगा। उन्होंने कार्यकर्ताओं से किसानों के बीच पहुंचकर उनकी समस्याओं को समझने और संगठन की नीतियों एवं योजनाओं की जानकारी जन-जन तक पहुंचाने का आह्वान किया। कार्यक्रम के दौरान नवनियुक्त अध्यक्ष के प्रति विश्वास व्यक्त करते हुए संगठन को

नई ऊर्जा और मजबूती प्रदान करने की अपेक्षा जताई गई। समारोह में किसान मोर्चा के निवर्तमान अध्यक्ष योगेश सिंह द्वारिकूढ़ ने भी राजेंद्र शंकर सिंह पटेल का आत्मीय स्वागत किया और उनके नए कार्यकाल के लिए शुभकामनाएं दीं। उन्होंने संगठन की मजबूती और किसानों के हितों के लिए निरंतर कार्य

करने की भावना पर जोर दिया। कार्यक्रम का संचालन जय विश्वकर्मा ने किया, जबकि हौरा यादव ने धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत किया। समारोह में उपस्थित पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं ने नवनियुक्त अध्यक्ष का स्वागत करते हुए संगठनात्मक गतिविधियों को और प्रभावी बनाने की उम्मीद जताई। इस अवसर पर भाजपा महानगर के महामंत्री अजय गुप्ता, उपाध्यक्ष आत्मा विश्वेश्वर, मीडिया संयोजक प्रमील पाण्डेय, अमित खरे, अखिलेन्द्र सिंह 'सन्नी', पंकज चतुर्वेदी, अशोक जाटव, गोपाल सिंह, मनोज सिंह, सुनील श्रीवास्तव, लवकुश यादव, आदर्श अग्रहरि और अमन केशरी सहित बड़ी संख्या में पार्टी पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे। समारोह का समापन नवनियुक्त अध्यक्ष को शुभकामनाएं देने और किसान मोर्चा को संगठनात्मक रूप से मजबूत बनाने के संकल्प के साथ हुआ।

अन्नपूर्णा मंदिर में नवमी पर भव्य हवन, सुगंधित फूलों से सर्जी माता, 101 कन्याओं का किया पूजन

वेलकम इंडिया/संतोष कुमार सिंह

वाराणसी। काशी के अति प्राचीन मां अन्नपूर्णा मंदिर में शारदीय नवरात्र की नवमी तिथि पर भव्य धार्मिक अनुष्ठान संपन्न हुआ। इस अवसर पर मंदिर परिसर वैदिक मंत्रोच्चार, हवन और माता के जयकारों से गुंज उठा। मंदिर के महंत शंकर पुरी के नेतृत्व में सात वैदिक ब्राह्मणों द्वारा विधि-विधान से हवन कराया गया। इसमें देश की सुख-समृद्धि, जनकल्याण और विश्व शांति की कामना की गई।

हवन के उपरांत मां अन्नपूर्णा का सुगंधित माला-फूलों से भव्य श्रृंगार किया गया। इसके बाद विधिवत महाआरती संपन्न हुई, जिसमें श्रद्धालुओं ने माता के दर्शन कर आशीर्वाद प्राप्त किया। मंदिर में दर्शन देखने के लिए भक्तों में विशेष उत्साह देखने को मिला। महंत शंकर पुरी ने बताया कि नवरात्र में अष्टमी और



नवमी तिथि पर कन्या पूजन का विशेष धार्मिक महत्व है। इसी परंपरा के अंतर्गत नौ कुंवारी कन्याओं का विधि-विधान से पूजन, पाठ और आरती की गई। इसके पश्चात 101 कन्याओं का पूजन कर उन्हें प्रसाद ग्रहण कराया गया। श्रद्धालुओं ने कन्याओं को देवी स्वरूप मानकर उनका सम्मान किया और सुख-समृद्धि की कामना की। पूरे

अनुष्ठान के दौरान मंदिर में भक्तिमय वातावरण बना रहा। हवन की पवित्र अग्नि, वैदिक मंत्रों की गूंज और माता के जयकारों से वातावरण आध्यात्मिक ऊर्जा से भर गया। धार्मिक आयोजन के माध्यम से श्रद्धालुओं ने मां अन्नपूर्णा से सभी के जीवन में सुख, शांति, समृद्धि और खुशहाली बनाए रखने की प्रार्थना की।

वाराणसी कैट रेलवे स्टेशन पर अवैध शराब के साथ एक गिरफ्तार, 10.8 लीटर अंग्रेजी शराब बरामद

वेलकम इंडिया/संतोष कुमार सिंह

वाराणसी। रेलवे स्टेशनों पर अवैध तस्करी और आपराधिक गतिविधियों पर अंकुश लगाने के लिए चलाए जा रहे अभियान के तहत जीआरपी कैट वाराणसी पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए एक व्यक्ति को अंग्रेजी शराब के 60 पाउंच के साथ गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार, आरोपी के पास से कुल 10.8 लीटर शराब बरामद हुई है, जिसकी अनुमानित कीमत 7,800 रुपये बताई गई है। गिरफ्तार अभियुक्त की पहचान रजनीश कुमार सिंह (42 वर्ष), पुत्र पास नाथ सिंह, निवासी ग्राम मगुरहा, थाना राजेपुर, जिला मुजफ्फरपुर, बिहार के रूप में हुई है। पुलिस ने उसके विरुद्ध आबकारी अधिनियम के तहत मुकदमा दर्ज कर आवश्यक कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी है। पुलिस के मुताबिक, 19 अक्टूबर 2026 को रेलवे स्टेशनों,



प्लेटफॉर्मों और आसपास के क्षेत्रों में चोरी की घटनाओं की रोकथाम, अपराधियों की गिरफ्तारी तथा अवैध तस्करी पर अंकुश लगाने के लिए विशेष जांच अभियान चलाया जा रहा था। यह अभियान पुलिस महानिदेशक रेलवे प्रकाश डी, पुलिस महानिरीक्षक रेलवे जेन प्रयागराज एन. कोलान्बी, पुलिस अधीक्षक रेलवे अनुभाग प्रयागराज प्रशंत वर्मा और पुलिस उपाधीक्षक रेलवे वाराणसी कुंवर प्रभात सिंह के निदेशन में संचालित किया जा रहा था। इसी क्रम में

जीआरपी कैट वाराणसी के प्रभारी निरीक्षक रजोल नामर के निर्देशन में उपनिरीक्षक सुनील कुमार गुला पुलिस टीम के साथ कैट रेलवे स्टेशन पर राहत कर रहे थे। इस दौरान प्लेटफॉर्म नंबर एक की पटरी के दक्षिण तरफ पानी की टंकी के पास एक सैद्धि व्यक्ति दिखाई दिया। पुलिस टीम ने उसे रोककर पृथक्ताड़ की और उसके पास मौजूद काले रंग के पिड्डू बैग की तलाशी ली। तलाशी के दौरान बैग से ओरिजिनल टैम्पकी ब्रांड के 180 मिलीलीटर के 60 पाउंच बरामद हुए।

वेलकम इंडिया/संतोष कुमार सिंह

वाराणसी। राष्ट्रीय एकता और अखंडता का संदेश जन-जन तक पहुंचाने के उद्देश्य से निकली अंतरराज्यीय बाइक रैली का वाराणसी में भव्य स्वागत किया गया। पुलिस लाइन वाराणसी में आयोजित कार्यक्रम के दौरान 95वीं बटालियन केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल के कमांडेंट राजेश्वर एस. बालापुरकर ने पूर्वोत्तर राज्यों से आए बाइकर्स का पुष्पगुच्छ और स्मृति चिह्न भेंट कर स्वागत किया। इसके बाद उन्होंने रैली को हरी झंडी दिखाकर अगले पड़ाव के लिए रवाना किया और सभी प्रतिभागियों को सुरक्षित यात्रा की शुभकामनाएं दीं। पूर्वोत्तर भारत के आठ राज्यों के पुलिसकर्मियों के 47 जांबाज बाइकर्स से सुसज्जित यह रैली राष्ट्रीय एकता, आपसी सद्भाव और देश की सांस्कृतिक विविधता में एकता



का संदेश लेकर आगे बढ़ रही है। बिहार के आरा और बक्सर से होते हुए वाराणसी पहुंची यह रैली 31 अक्टूबर 2026 को गुजरात के केवड़िया पहुंचेगी। स्वागत समारोह के दौरान कमांडेंट राजेश्वर एस. बालापुरकर ने कहा कि इस अंतरराज्यीय बाइक रैली का मुख्य उद्देश्य लोह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल के सपनों के ह्याक भारत, श्रेष्ठ भारत के संकल्प को साकार करना है। इस तरह के आयोजन देश के

विभिन्न राज्यों के लोगों के बीच आपसी जुड़ाव, भाईचारे और राष्ट्रीय एकता की भावना को मजबूत करते हैं। रैली में शामिल जवान अपने साहस, अनुशासन और समर्पण के माध्यम से देशवासियों को एकता का संदेश दे रहे हैं। उन्होंने कहा कि भारत की विविध भाषाएं, संस्कृतियां और परंपराएं हमारी ताकत हैं। ऐसे आयोजनों के माध्यम से विभिन्न राज्यों के लोगों को एक-दूसरे की संस्कृति को समझने और राष्ट्रीय एकता की

भावना को और मजबूत करने का अवसर मिलता है। यह बाइक रैली राष्ट्रीय एकता के साथ-साथ सामाजिक जागरूकता का महत्वपूर्ण संदेश भी प्रसारित कर रही है। रैली के माध्यम से युवाओं को नशे के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक करने के लिए ह्मारे के खिलाफ लड़ाई का अभियान चलाया जा रहा है। इसका उद्देश्य युवाओं को नशे से दूर रहने के लिए प्रेरित करना और स्वस्थ, सुरक्षित एवं नष्कामुक्त समाज के निर्माण में उनकी भागीदारी

सुनिश्चित करना है। कार्यक्रम के दौरान कमांडेंट ने रैली में शामिल सभी बहादुर जवानों के उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए उनकी यात्रा की सफलता और सुरक्षा के लिए शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय एकता और सामाजिक जागरूकता के ऐसे अभियान समाज में सकारात्मक बदलाव लाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। इस अवसर पर 95वीं बटालियन सीआरपीएफ के द्वितीय कमान अधिकारी राजेश कुमार, स्थानीय पुलिस से पुलिस उपाधीक्षक (एएनटीएफ) राज कुमार त्रिपाठी, प्रतिसार निरीक्षक रमाकांत पांडे, निरीक्षक प्रिस सिंह, विवेक चंद्र राय सहित बड़ी संख्या में अधिकारी और जवान उपस्थित रहे। सभी ने बाइक रैली के प्रतिभागियों का उत्साहवर्धन किया और उनके अभियान की सफलता की कामना की।

महानवमी पर डांडिया महोत्सव में उमड़ा उत्साह, गुजराती समाज ने धूमधाम से मनाया पर्व

नौ दिवसीय आयोजन का भक्तिभाव के साथ समापन, पारंपरिक वेशभूषा में डांडिया खेलकर मां दुर्गा की आराधना में शामिल हुए लोग

वेलकम इंडियासंवाददाता

प्रयागराज। शारदीय नवरात्र की महानवमी के अवसर पर प्रयागराज के मुडौंगज स्थित कटघर के पास गुजराती समाज की ओर से आयोजित नौ दिवसीय डांडिया महोत्सव का समापन उत्साह, उमंग और भक्तिभाव के साथ हुआ। महोत्सव के अंतिम दिन बड़ी संख्या में समाज के लोग शामिल हुए। पारंपरिक वेशभूषा में सजे महिला-पुरुषों ने डांडिया खेलकर मां दुर्गा की आराधना की। पूरे आयोजन में धार्मिक आस्था, सांस्कृतिक परंपरा और सामाजिक एकता का सुंदर संगम देखने को मिला। नवरात्र के नौ दिनों तक चले इस महोत्सव में श्रद्धालुओं ने मां दुर्गा की पूजा-अर्चना और आरती के साथ उत्सव में भाग लिया। महानवमी के दिन विशेष उत्साह देखने को मिला। डांडिया की लय और पारंपरिक



उल्लास के बीच लोगों ने एक-दूसरे के साथ पर्व की खुशियां साझा कीं। आयोजन स्थल पर भक्तिमय वातावरण बना रहा और गुजराती समाज की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत की झलक दिखाई दी। गुजराती समाज के अध्यक्ष वीरेंद्र पटेल ने बताया कि शारदीय नवरात्र

के अवसर पर प्रत्येक वर्ष नौ दिनों तक डांडिया महोत्सव का आयोजन किया जाता है। इस दौरान समाज के लोग एकत्र होकर मां दुर्गा की आरती और पूजा-अर्चना करते हैं। डांडिया महोत्सव केवल धार्मिक आयोजन नहीं, बल्कि समाज की सांस्कृतिक परंपराओं को अगली पीढ़ी तक

पहुंचाने का भी महत्वपूर्ण माध्यम है। उन्होंने कहा कि नवरात्र का पर्व मां दुर्गा की शक्ति, भक्ति और आराधना का प्रतीक है। डांडिया महोत्सव समाज के लोगों को एक साथ आने, आपसी संबंधों को मजबूत करने और अपनी परंपराओं को जीवंत बनाए रखने का अवसर

प्रदान करता है। ऐसे आयोजनों से नई पीढ़ी भी अपनी संस्कृति और धार्मिक मान्यताओं से जुड़ती है। महानवमी पर आयोजित अंतिम कार्यक्रम में श्रद्धालुओं ने मां दुर्गा से सुख-समृद्धि और खुशहाली की कामना की। नौ दिनों तक चले इस महोत्सव ने धार्मिक आस्था के साथ सामाजिक एकता, आपसी भाईचारे और सौहार्द का संदेश दिया। उत्साहपूर्ण वातावरण में महोत्सव का समापन हुआ और लोगों ने अगले वर्ष फिर इसी उमंग के साथ आयोजन में शामिल होने की भावना व्यक्त की। इस अवसर पर महोत्सव में शामिल लोगों ने आयोजन की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे सांस्कृतिक कार्यक्रम समाज को एकजुट करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। डांडिया महोत्सव ने धार्मिक उत्साह के साथ परंपराओं की मजबूत आधारों को प्रदर्शित किया। जयकारों, ढोल-नगाड़ों की गूंज और मां काली

डिबाई में धूमधाम से निकली मां काली की भव्य शोभायात्रा

रण में कूद पड़ी महाकाली, 70 स्वरूपों की झाकियों ने मोहा मन



वेलकम इंडियासंवाददाता

डिबाई (बुलंदशहर)। रामलीला कमेटी के तत्वावधान में रामनवमी के अवसर पर मां काली की भव्य शोभायात्रा धूमधाम से निकाली गई। अनाज मंडी से शाम छह बजे शुरू हुई शोभायात्रा का शुभारंभ युवा समाजसेवी अनिल गोस्वामी उर्फ बिट्टू जोगी ने फीता काटकर और मां काली की आरती उतारकर किया। जयकारों, ढोल-नगाड़ों की गूंज और मां काली

के 70 स्वरूपों की मनमोहक झाकियों ने श्रद्धालुओं को मंत्रमुग्ध कर दिया। शोभायात्रा रेलवे रोड, महादेव चौराहा, पैठ चौराहा, बड़ा बाजार, छोटा बाजार, पुराना किला, चौक बोरान, चौक दुर्गा प्रसाद और मीना बाजार सहित नगर के प्रमुख मार्गों से होती हुई रामलीला मैदान पहुंचकर संपन्न हुई। जगह-जगह श्रद्धालुओं ने मां काली की आरती उतारकर स्वागत किया। शोभायात्रा के दौरान सुरक्षा व्यवस्था के लिए क्षेत्राधिकारी मधुप कुमार सिंह, प्रभारी

निरीक्षक विशाल प्रताप सिंह चौहान और कस्बा चौकी इंचार्ज विशाल प्रताप पुलिस बल के साथ नैनात रहे। इस दौरान रामलीला कमेटी अध्यक्ष अरुण कुमार सिंघल, महामंत्री कलल वर्मा, विनय शर्मा, राजीव अग्रवाल, विनीत वाण्येय, मयूर वाण्येय, कोषाध्यक्ष पोपी पंडित, पंकज ठाकुर, ओमी लाला, लकी वाण्येय, सचिन अग्रवाल, राकेश अग्रवाल, विटोने वाण्येय, भू प्रकाश बजाज, कपिंद्र वाण्येय और उमेश वाण्येय सहित अनेक लोग मौजूद रहे।

आरकेजी ग्लोबल स्कूल में गरबा नाइट का भव्य आयोजन, भक्ति, संस्कृति और उल्लास का अद्भुत संगम

वेलकम इंडिया संवाददाता

गाजियाबाद। आरकेजी ग्लोबल स्कूल, गाजियाबाद में गरबा नाइट का भव्य एवं मनमोहक आयोजन हर्षोल्लास, भक्ति और पारंपरिक संस्कृति के रंगों के साथ किया गया। इस विशेष अवसर पर विद्यालय परिसर भक्तिमय संगीत, रंग-बिरंगी पारंपरिक वेशभूषा और गरबा के मनमोहक नृत्य से सराबोर हो उठा।

कार्यक्रम का शुभारंभ चेयरपर्सन श्रीमती रजनी गोयल जी द्वारा रिबन काटकर एवं माँ दुर्गा की आरती करके किया गया। इस अवसर पर वाइस चेयरपर्सन श्रीमती आँचल गोयल , विद्यालय की डायरेक्टर

प्रिंसिपल कैप्टन डॉ. दिनिशा भारद्वाज सिंह जी, आरकेजीआईटीएम के डायरेक्टर डॉ. राकेश गोयल तथा डीन डॉ. मनोरमा शर्मा जी ने भी माँ दुर्गा की आराधना में सहभागिता की। सभी की उपस्थिति एवं भक्तिमय वातावरण ने कार्यक्रम को विशेष गरिमा प्रदान की। इस आयोजन का मुख्य आकर्षण अभिभावकों एवं विद्यार्थियों द्वारा प्रस्तुत गरबा नृत्य रहा।

माँ दुर्गा के भक्तिमय भजनों की मधुर धुनों पर सभी ने उत्साहपूर्वक गरबा किया। पारंपरिक परिधानों, तालबद्ध कदमों और उमंग से भरे वातावरण ने सभी का मन मोह लिया। अभिभावकों और विद्यार्थियों की



सक्रिय सहभागिता ने इस उत्सव को और भी विशेष बना दिया। कार्यक्रम में उपस्थित सभी अतिथियों ने स्वादिष्ट व्यंजनों का

आनंद लिया। आरकेजी समूह के सभी शिक्षक-शिक्षिकाओं ने भी बढ़-चढ़कर भाग लिया और अपने सहयोग, समर्पण एवं उत्साह से

आयोजन को सफल बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

कार्यक्रम के अंत में गरबा नृत्य में उत्साहपूर्वक भाग लेने वाली प्रतिभागियों में से ह्य गरबा क्वीनह्द का चयन किया गया। गरबा क्वीन को सम्मानित कर उनकी प्रतिभा, आकर्षक प्रस्तुति और उत्साह की सराहना की गई। इस विशेष सम्मान ने कार्यक्रम के उत्साह को और बढ़ा दिया तथा प्रतिभागियों के लिए यादगार क्षण निर्मित किया।

समापन अवसर पर चेयरमैन श्री दिनेश कुमार गोयल जी एवं वाइस चेयरमैन श्री अक्षत गोयल जी ने अपने शुभ संदेशों के माध्यम से सभी प्रतिभागियों, अभिभावकों एवं

आयोजन में सहयोग देने वाले सदस्यों का उत्साहवर्धन किया। यह गरबा नाइट केवल एक सांस्कृतिक कार्यक्रम ही नहीं, बल्कि भारतीय परंपराओं, पारिवारिक एकता, सामाजिक समरसता और विद्यालय-परिवार के मधुर संबंधों का उत्सव भी रही। इस आयोजन ने अभिभावकों, विद्यार्थियों एवं शिक्षकों को एक साझा मंच पर जोड़कर आपसी सौहार्द और सहयोग की भावना को और सुदृढ़ किया। समग्र रूप से, आरकेजी ग्लोबल स्कूल की गरबा नाइट भक्ति, संस्कृति, उल्लास और एकता का यादगार उत्सव सिद्ध हुई, जिसने सभी के हृदय में मधुर स्मृतियाँ अंकित कर दीं।

पंडित सुनील भराला ने महामाया देवी का आशीर्वाद प्राप्त किया



अनिल वशिष्ठ

मोदीनगर(वेलकम इंडिया)। पूर्व राज्य मंत्री एवं राष्ट्रीय परशुराम परिषद के संस्थापक पंडित सुनील भराला के साथ पूर्व सभासद दीपक वत्स ने मंदिर में पहुंच कर महामाया

माँ का आशीर्वाद प्राप्त किया एवं अपने निजी निवास संजीवनी स्टेट में मंत्री का भव्य स्वागत किया। इस मौके पर मधुसूदन शर्मा निखिल वत्स, आदेश शर्मा बिल्लू वत्स, सुनील भगत, गोल्डी भाटी, अंशुल शर्मा दीपांशु गुप्ता उपस्थित रहे।

माकियू ने किसानों एवं ग्रामीणों की समस्याओं को लेकर पुलिस प्रशासन को सौंपा ज्ञापन

अनिल वशिष्ठ

मोदीनगर(वेलकम इंडिया)। भारतीय किसान यूनियन किसान सभा के कार्यकर्ता द्वारा किसानों व ग्रामीणों व की समस्याओं के समाधान की मांग को लेकर सहायक पुलिस आयुक्त को ज्ञापन सौंपा और शीघ्र कार्रवाई की मांग की। ज्ञापन में प्रमुख रूप से ग्रामीण सड़कों पर तेज गति से दौड़ने वाले ट्रैक्टर-ट्रॉली, डंपर एवं अन्य भारी वाहनों पर नियंत्रण, मिट्टी व रेत के अवैध परिवहन पर रोक तथा वाहनों की उचित जांच की मांग की गई।

संगठन ने कहा कि लापरवाही से वाहन चलाने और यातायात नियमों की अनदेखी के कारण सड़क दुर्घटनाओं की आशंका बनी रहती है, जिससे ग्रामीणों की सुरक्षा प्रभावित हो रही है। क्षेत्र में तेज गति से चलने वाले अवैध डंपरों पर कार्रवाई करने, किसानों को अनावश्यक रूप से परेशान न करने तथा गांवों में बिजली के जर्जर तारों, टूटे खंभों और खराब स्ट्रीट लाइटों जैसी समस्याओं का



समाधान कराने की मांग भी उठाई गई। ज्ञापन में कहा गया है कि यदि संबंधित समस्याओं का शीघ्र समाधान नहीं किया गया, तो भारतीय किसान यूनियन किसान सभा के पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता अधिकारियों का घेराव करने को बाध्य होंगे, जिसकी समस्त जिम्मेदारी शासन-प्रशासन की होगी। इस दौरान जिला अध्यक्ष पुष्कर त्यागी, प्रदेश महासचिव हैप्पी त्यागी, प्रदेश सचिव बिन्दू त्यागी, प्रदेश

महासचिव पश्चिम उत्तर प्रदेश रोहित त्यागी, एनसीआर अध्यक्ष आकाश त्यागी रावली, अवनोश प्रधान मंडल प्रभारी, सुशील महामंत्री गाजियाबाद अभिषेक वर्मा नगर अध्यक्ष, विनोद त्यागी, आशु त्यागी रावली धीरज त्यागी, राहुल शर्मा, अफजल सैफी, इरफान ठेकेदार, ताहिर खान, रामनरेश शर्मा, शाहरुख खान, आशु त्यागी रावली आदि क्षेत्र के लोग मौजूद रहे।

सिवाल खास में सामाजिक समरसता सम्मेलन आयोजित, भाईचारे और एकता का दिया संदेश



वेलकम इंडिया संवाददाता

मेरठ। सिवाल खास कस्बे में सामाजिक समरसता को लेकर एक सम्मेलन का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में राष्ट्रीय लोकदल के पूर्व प्रदेश महासचिव रणवीर दहिया जी उपस्थित रहे। सम्मेलन की अध्यक्षता असलम ने की तथा संचालन रवि भारत चिकारा ने किया।

सम्मेलन को संबोधित करते हुए रणवीर दहिया ने समाज में सामाजिक समरसता, आपसी भाईचारे, एकता एवं सद्भाव बनाए रखने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि समाज की उन्नति के लिए सभी वर्गों को आपसी मतभेद भुलाकर एकजुट होकर आगे

बढ़ना चाहिए। सामाजिक समरसता से ही मजबूत समाज और सशक्त राष्ट्र का निर्माण संभव है। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय लोकदल किसानों, मजदूरों, युवाओं और समाज के सभी वर्गों के सम्मान एवं हितों के लिए सदैव प्रतिबद्ध है। समाज में आपसी प्रेम, सहयोग और भाईचारे की भावना को मजबूत करना हम सभी की जिम्मेदारी है। इस दौरान पप्पू जी, आस मोहम्मद, राशिद, बिलाल, विकी, फरकान, हाकिम एवं मुस्तकीम सहित अन्य गणमान्य लोग उपस्थित रहे। सम्मेलन के माध्यम से समाज में एकता, सद्भाव और सामाजिक समरसता बनाए रखने का संदेश दिया गया।

डिजिटल स्वास्थ्य अभियान में गाजियाबाद फिसट्टी, 25.87 लाख के लक्ष्य में सिर्फ 9.60 लाख आभा आईडी बनीं

वेलकम इंडिया संवाददाता

गाजियाबाद। डिजिटल स्वास्थ्य सेवाओं को बढ़ावा देने के लिए चलाई जा रही आभा आईडी बनाने की मुहिम में गाजियाबाद जिला पिछड़ता नजर आ रहा है। स्वास्थ्य विभाग के 16 अक्टूबर 2026 तक के आंकड़ों के अनुसार, जिले में 25.87 लाख लोगों के संपर्क केवल 9.60 लाख लोगों की आभा आईडी ही बनाई जा सकी है। इस तरह लक्ष्य के मुकाबले महज 37.14 प्रतिशत उपलब्धि हासिल हुई है। जिले में अभी 16.26 लाख से अधिक लोगों की आभा आईडी बनाई जानी बाकी है। अधिकारियों के लगातार निर्देशों के बावजूद अभियान की धीमी रफ्तार चिंता बढ़ा रही है। आंकड़ों पर नजर डालें तो ग्रामीण क्षेत्रों में आभा आईडी बनाने की स्थिति शहरी इलाकों से बेहतर है। भोजपुर, मुरादनगर ग्रामीण, लोनी और रजापुर में अभियान ने अपेक्षाकृत अच्छी प्रगति की है, जबकि नगर निगम और नगर पालिका क्षेत्रों में उपलब्धि काफी कम है। इससे

स्पष्ट है कि शहरी आबादी तक डिजिटल स्वास्थ्य सेवाओं की जानकारी पहुंचाने और अभियान को गति देने के लिए अतिरिक्त प्रयासों की जरूरत है। ग्रामीण क्षेत्रों में भोजपुर ने सबसे बेहतर प्रदर्शन किया है। यहां 2.62 लाख लोगों के लक्ष्य के संपर्क 1.70 लाख आभा आईडी बनाई जा चुकी हैं। इसके साथ ही उपलब्धि 64.95 प्रतिशत दर्ज की गई है। मुरादनगर ग्रामीण क्षेत्र में 1.66 लाख लोगों में से 1.08 लाख की आईडी बनाई गई है, जो 65.24 प्रतिशत है। लोनी में 1.54 लाख लोगों के संपर्क 93,954 आभा आईडी बन चुकी हैं और उपलब्धि 60.97 प्रतिशत है। वहीं, रजापुर में 2.12 लाख लोगों के लक्ष्य के मुकाबले 1.26 लाख आईडी बनाई गई हैं। यहां 59.49 प्रतिशत काम पूरा हुआ है। शहरी क्षेत्रों में आभा आईडी बनाने की स्थिति शहरी इलाकों से बेहतर है। भोजपुर, मुरादनगर ग्रामीण, लोनी और रजापुर में अभियान ने अपेक्षाकृत अच्छी प्रगति की है, जबकि नगर निगम और नगर पालिका क्षेत्रों में उपलब्धि काफी कम है। इससे

मोदी इंटर कॉलेज में एल्यूमनी एसोसिएशन द्वारा छात्रवृत्ति योजना का शुभारंभ

छात्र कड़ी मेहनत, विवेक, एवं बुद्धिमत्ता, मजबूत इच्छाशक्ति को अपना हथियार बनाएं-डॉ एस सी अग्रवाल

● छात्र दूरदर्शी सोच के साथ सपने देखें- प्रो देवेन्द्र देव पूर्व छात्र

अनिल वशिष्ठ

मोदीनगर(वेलकम इंडिया)। डॉ. के एन मोदी साइंस एंड कॉमर्स कॉलेज मोदीनगर की एलुमनी एसोसिएशन के द्वारा कक्षा छह से लेकर कक्षा बारह तक के विद्यार्थियों के लिए 'योग्यता एवं आर्थिक स्थिति पर आधारित छात्रवृत्ति योजना का शुभारंभ व्याख्यानमाला के चौथे लेक्चर के दौरान किया गया। मोदी इंटर कालेज अल्यूमनाई एसोसिएशन के अध्यक्ष राजेश शर्मा ने एलुमनी एसोसिएशन की ओर से कालेज में इस मेरिट कम मीन्स स्कालरशिप स्कीम को शुभारंभ करने की घोषणा की। उन्होंने बताया कि इस छात्रवृत्ति



योजना के तहत छठी कक्षा से बारहवीं कक्षा तक से चुने गए प्रति कक्षा एक विद्यार्थी को उसकी कक्षा के अनुसार 600 रुपये प्रतिमाह से लेकर 1200 रुपये प्रतिमाह तक की छात्रवृत्ति एक वर्ष तक प्रदान की जाएगी।

छात्रों को इस छात्रवृत्ति पाने के लिए निर्धारित प्रारूप में 21 अक्टूबर तक अपना आवेदन प्रधानाचार्य के कार्यालय में रखें गए बॉक्स में जमा कराना होगा। इस छात्रवृत्ति योजना का वित्त पोषण विद्यालय के पाँच पूर्व

छात्र भाइयों डॉक्टर रमेश सी गुप्ता, सीए सुरेंद्र पाल गुप्ता, डॉक्टर नरेंद्र पाल गुप्ता, डॉक्टर अनिल गुप्ता एवं सीए राजीव गुप्ता ने अपने माता पिता रतन लाल गुप्ता एवं श्रीमती सावित्री देवी गुप्ता के सम्मान में किया है।

विद्यालय के प्रधानाचार्य डॉक्टर सतीश चंद्र अग्रवाल ने बताया कि ये पिछले 3 वर्ष से छात्रों को 100000 प्रति वर्ष मेधावी छात्रों को नगद रुपए दे रहे हैं। इस अवसर पर प्रो. देवेन्द्र देव दर्शन अरोड़ा सी एम डी के पूर्व

डायरेक्टर, भारत कालेज के समस्त अध्यापकों एवं छात्रों को सफलता के लिए डी के मंत्र की महत्ता को रेखांकित करते हुए सम्बोधित किया गया। कैरियर काउंसिलिंग सेंटर के मुख्य समन्वयक संजय गौतम ने छात्रों से कहा की आपका सपना आपकी मंजिल देता है , आपका फैसला आपको दिशा देता है पूर्व छात्र कुशल कुमार शर्मा को छात्रवृत्ति योजना का प्रभारी बनाया गया।

प्रधानाचार्य डा.एस सी अग्रवाल ने छात्रों से कड़ी मेहनत, विवेक एवं बुद्धिमत्ता मजबूत इच्छाशक्ति, लक्ष्यविजय को स्पष्ट इस्तरार किया । प्रधानाचार्य सतीश अग्रवाल ने मोदी इंटर कालेज अल्यूमनाई एसोसिएशन की सर्वहಿತ की भावनाओं का सम्मान करते हुए कालेज प्रबंधन एवं शिक्षकों की ओर से पूर्व छात्रों का सम्मान सहित आभार व्यक्त किया।

दुर्गा पूजा महोत्सव में मां के भक्तों द्वारा पुष्पांजलि अर्पण की



अनिल वशिष्ठ

मोदीनगर(वेलकम इंडिया)। काली मंदिर में मां आद्या काल्यानी काली मंदिर ट्रस्ट द्वारा 55 वा दुर्गा पूजा महोत्सव मनाया जा रहा है। ट्रस्ट के अध्यक्ष प्रदीप बोस ने बताया कि अष्टमी में पूजा अर्चना में मां के भक्तों द्वारा पुष्पांजलि अर्पण की गई। महोत्सव में मुख्यतः शक्ति की आराधना होती है। जिसमें विशेषतः रावण पर विजय प्राप्त करने के लिए श्रीराम जी द्वारा मां दुर्गा की पूजा की गई थी। जिसको संघी पूजा कहा जाता है। इसमें 108 कमल के पुष्प व अलग-अलग पत्तों की माला 108 इत्यादि अर्पण की जाती है और 108 दिव

प्रचलित किए जाते हैं। जिसको सभी भक्ति बारी-बारी से प्रचलित करते हैं। साथ ही रोज की भांति भक्तों को भंडारे का वितरण भी किया गया। 30 छोटे कलाकारों द्वारा मां के माध्यम से सामने बैठे भक्तों की भीड़ को अपनी नृत्य नाटिकाओं से मंत्र मुक्त कर दिया। इस कार्यक्रम में डॉक्टर मंजु शिवाय विधायक, मोदीनगर विनोद वैशाली चेयरमैन , राम किशोर अग्रवाल पूर्व मंत्री, डॉ पवन सिंघल वरिष्ठ भाजपा नेता, स्वदेश जैन वरिष्ठ भाजपा नेता, श्री। जिसको संघी पूजा कहा जाता है। इसमें 108 कमल के पुष्प व अलग-अलग पत्तों की माला 108 इत्यादि अर्पण की जाती है और 108 दिव

कन्या पूजन के साथ बालकिशन गुप्ता ने दिया नारी सम्मान का संदेश, गजप्रस्थ में विशाल भंडारे में उमड़े लोग

वेलकम इंडिया संवाददाता

गाजियाबाद। शारदीय नवरात्रि की महानवमी के पावन अवसर पर कविनगर स्थित गजप्रस्थ में धार्मिक आस्था, सेवा और सामाजिक संस्कारों का संगम देखने को मिला। राष्ट्रीय व्यापार मंडल के जिला अध्यक्ष, पूर्व रेलवे बोर्ड सदस्य एवं राजा इंडिया प्राइवेट लिमिटेड के निदेशक बालकिशन गुप्ता ने सोमवार को अपने कार्यालय जी-35, कविनगर में कन्या पूजन और विशाल भंडारे का आयोजन किया। इस दौरान उन्होंने कन्याओं के चरण स्पर्श कर उनका आशीर्वाद लिया और मां भगवती से सभी के सुख-समृद्धि की कामना की। दोपहर 12:30 बजे से शुरू हुए विशाल



भंडारे में बड़ी संख्या में लोगों ने पहुंचकर प्रसाद ग्रहण किया। आयोजन में शामिल अतिथियों, व्यापारियों, सामाजिक कार्यकर्ताओं और स्थानीय लोगों ने प्रसाद ग्रहण कर बालकिशन गुप्ता के इस प्रयास को सराहना की। पूरे कार्यक्रम में धार्मिक उत्साह और सेवा भाव का माहौल रहा। महानवमी पर आयोजित कन्या पूजन में बालकिशन गुप्ता ने कन्याओं को मां दुर्गा का स्वरूप मानकर उनका पूजन

किया और चरण स्पर्श कर आशीर्वाद प्राप्त किया। उन्होंने नवरात्रि के इस पावन अवसर पर धार्मिक परंपराओं के साथ समाज में बेटीयों के सम्मान और सुरक्षा को प्राथमिकता देने का संदेश दिया। आयोजन में शामिल लोगों ने भी कन्या पूजन को भारतीय संस्कृति और श्रद्धा का महत्वपूर्ण प्रतीक बताया। दोपहर से आयोजित भंडारे में सैकड़ों लोगों ने प्रसाद ग्रहण किया।

राजनगर रामलीला में कुंभकरण और मेघनाथ वध का मंचन, सती हुई सुलोचना

रावण ने किया विशाल शिव पूजन, रामलीला के प्रसंगों ने दर्शकों को किया भावुक

कपिल चौहान

गाजियाबाद (वेलकम इंडिया)। श्री रामलीला समिति राजनगर की ओर से आयोजित रामलीला में कुंभकरण वध, मेघनाथ वध, सती सुलोचना और रावण के विशाल शिव पूजन का भावपूर्ण मंचन किया गया। कलाकारों ने शानदार अभिनय से दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। लक्ष्मण के संजीवनी बूटी से



स्वस्थ होने पर रावण अपने भाई कुंभकरण को नींद से जगाकर युद्धभूमि में भेजता है। भगवान राम



और लक्ष्मण से युद्ध करते हुए कुंभकरण मारा जाता है। इसके बाद रावण अपने पुत्र मेघनाथ को युद्ध के

पर सुलोचना व्याकुल हो उठती हैं। सत्य का पता चलने पर वह राम दल में जाकर पति का शोश प्राप्त करती हैं और उनके साथ सती हो जाती हैं। मेघनाथ की मृत्यु से दुखी रावण विशाल शिव पूजन करता है।

इस अवसर पर समिति के अध्यक्ष जय कुमार गुप्ता, महामंत्री दीपक मित्तल, संरक्षक जितेंद्र यादव (पूर्व विधायक) सहित अनेक पदाधिकारी, सदस्य और गणमान्य लोग मौजूद रहे।

लिए भेजता है, जहां लक्ष्मण उसका वध कर देते हैं। पति की मृत्यु का समाचार मिलने

जनता के द्वार पहुंची गाजियाबाद पुलिस, सुनीं लोगों की समस्याएं

‘आपकी पुलिस आपके दरवाजे पर’ अभियान के तहत झुग्गी-बस्तियों और आवासीय क्षेत्रों में पुलिस टीमों ने किया सीधा संवाद



वेलकम इंडिया संवाददाता

गाजियाबाद। पुलिस और जनता के बीच भरोसा और संवाद मजबूत करने के उद्देश्य से गाजियाबाद पुलिस ने ‘आपकी पुलिस आपके दरवाजे पर’

अभियान चलाया। इसके तहत पुलिस टीमों झुग्गी-झोपड़ियों और आवासीय क्षेत्रों में पहुंचीं और महिलाओं, बालिकाओं तथा स्थानीय निवासियों से सीधे बातचीत की। पुलिस कमिश्नर स्वयं कविनगर क्षेत्र के मोहल्ला मंडी

पहुंचे। उन्होंने लोगों की समस्याएं, शिकायतें और सुझाव सुने। अधिकारियों ने भरोसा दिलाया कि प्राप्त शिकायतों पर नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी और उनके समाधान का प्रयास किया जाएगा। अभियान में एडिशनल

कमिश्नर केशव चौधरी, डीसीपी धवल जायसवाल, एसीपी सुचिता सिंह और एसीपी अभय राजेंद्र डागा भी शामिल रहे। पुलिस अधिकारियों ने स्थानीय लोगों से सुरक्षा संबंधी जरूरतों और क्षेत्र की समस्याओं पर चर्चा की। इस

पहल का उद्देश्य लोगों को अपनी बात पहुंचाने के लिए थाने तक आने की परेशानी से बचना और पुलिस को सीधे उनके बीच ले जाना है। अभियान से आम नागरिकों, विशेषकर महिलाओं और बालिकाओं को अपनी शिकायतें

और सुझाव साझा करने का अवसर मिला। पुलिस की इस जनसंपर्क पहल को जनता के साथ संवाद बढ़ाने और स्थानीय समस्याओं को समझने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है।

गाजियाबाद में दलित छात्र की पिटाई का आरोप, बाहरी युवकों को बुलाकर मारपीट करने का दावा



कपिल चौहान

गाजियाबाद (वेलकम इंडिया)।

गाजियाबाद में एक दलित छात्र के साथ मारपीट का मामला सामने आया है। आरोप है कि स्कूल में पढ़ने वाले छात्रों ने बाहरी युवकों को बुलाकर छात्र की पिटाई कराई। पीड़ित छात्र के पिता का दावा है कि छात्र को सड़क पर लिटाकर पीटा गया। उन्होंने आरोप लगाया कि कुछ छात्र जातिसूचक टिप्पणियां करते हुए उसे धमकाते थे और कहते थे कि तुम्हें पढ़ने भी देगे, पढ़-लिखकर अंबेडकर बनेगा क्या? मामले में पुलिस ने एफआईआर

दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। आरोपों की गंभीरता को देखते हुए निष्पक्ष जांच और दोषी पाए जाने वालों के खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई की मांग उठ रही है। वहीं, जांच पूरी होने से पहले आरोपों को साबित तथ्य मानना उचित नहीं होगा। किसी भी छात्र के साथ जाति के आधार पर भेदभाव या हिंसा बर्दाश्त नहीं की जानी चाहिए। साथ ही, मामले की आड़ में किसी पूरे समाज के प्रति वैमनस्य फैलाने वालों पर भी कानून के अनुसार कार्रवाई होनी चाहिए। पुलिस जांच के बाद ही घटना की पूरी सच्चाई स्पष्ट हो सकेगी।

एनसीआर में मोबाइल-चेन स्नैचिंग गिरोह का पर्दाफाश, पांच गिरफ्तार

15 मोबाइल और सात चेन लूटने का खुलासा, गिरोह के पांच सदस्य गिरफ्तार

कपिल चौहान

गाजियाबाद (वेलकम इंडिया)। कमिश्नरेट गाजियाबाद की क्राइम ब्रांच की एंटी स्नैचिंग टीम ने एनसीआर में मोबाइल और चेन स्नैचिंग करने वाले गिरोह का पर्दाफाश करते हुए पांच आरोपियों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों के कब्जे से सोने की चेन, सोने की गिट्टी, मोबाइल के सात मदरबोर्ड, पांच बिना मदरबोर्ड के मोबाइल, एक पोवा कंपनी का फोन, अवैध तमचा, कारतूस और चोरी की दो मोटरसाइकिल बरामद हुई हैं।

पुलिस के मुताबिक, गिरफ्तार आरोपी रवि कुमार शर्मा, अर्पित त्यागी, गोल्ड उर्फ आशुतोष, विशाल और देव शर्मा गाजियाबाद के नंदग्राम क्षेत्र के निवासी हैं। पूछताछ में आरोपियों ने पिछले तीन माह में गाजियाबाद, नोएडा, दिल्ली और हापुड में करीब 15 मोबाइल और सात चेन स्नैचिंग की घटनाओं को अंजाम देने की बात स्वीकार की है। गिरोह का संचालन मुख्य रूप से रवि और विशाल करते



थे। लूटे गए मोबाइल देव शर्मा को दिए जाते थे, जो उनके पार्ट अलग कर मदरबोर्ड दिल्ली के गफ्फार मार्केट और मुस्तफाबाद में बेचता था। लूटी गई चेन भी आधे दाम पर बेची जाती

थीं। पुलिस ने मधुबन बापूधाम थाने में मुकदमा दर्ज कर आगे की कार्रवाई शुरू कर दी है। लूट के आभूषण खरीदने वाले सुनार के खिलाफ भी कार्रवाई की जा रही है।

वेव सिनेमा के पास अवैध हुक्का बार का भंडाफोड़, दो गिरफ्तार



कपिल चौहान

गाजियाबाद (वेलकम इंडिया)। कौशाम्बी थाना पुलिस ने सोमवार को वेव सिनेमा के पास स्थित गॉडफादर क्लब में छापेमारी कर अवैध रूप से संचालित हुक्का बार का भंडाफोड़ किया। पुलिस ने मौके से दो आरोपियों को गिरफ्तार करते हुए दो हुक्के मय चिलम, दो हुक्का पाइप और फ्लेवर्ड तंबाकू के तीन पाउच बरामद किए।

पुलिस के मुताबिक, गिरफ्तार आरोपियों की पहचान मेरठ के मवाना थाना क्षेत्र के बोरनगर निवासी बाबी शर्मा (23) और दिल्ली के शाहदरा स्थित भोलानाथ नगर निवासी प्रतीक (22) के रूप में हुई है। दोनों के खिलाफ थाना कौशाम्बी में संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। पुलिस आरोपियों के खिलाफ आवश्यक विधिक कार्रवाई कर रही है।

वेलकम इंडिया संवाददाता

गाजियाबाद। विश्व ट्रॉमा दिवस पर यशोदा मेडिसिटी ने ईडियन सोसाइटी फॉर ट्रॉमा एंड एक्ज्यूट केयर (कळअउ) के सहयोग से ट्रॉमा फर्स्ट रिस्पॉन्डर प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया। 18 अक्टूबर को आयोजित कार्यक्रम में करीब 100 पुलिसकर्मियों, आपातकालीन सेवाओं से जुड़े लोगों और आम नागरिकों ने हिस्सा लिया।

प्रशिक्षण में प्रतिभागियों को दुर्घटनास्थल सुरक्षित रखने, एंबुलेंस बुलाने, घायल की सांस सामान्य बनाए रखने, रक्तस्राव रोकने और घायलों को सुरक्षित स्थान पर पहुंचाने के तरीके सिखाए गए। मॉक ड्रिल और तीन स्किल स्टेशन के माध्यम से व्यावहारिक अभ्यास भी कराया गया। यशोदा ग्रुप के चेयरमैन एवं प्रबंध निदेशक डॉ. पी.एन. अरोड़ा ने कहा कि आपात स्थितियों में जागरूकता और प्रशिक्षण बेहद जरूरी है। वहीं, डॉ. संदीप जैन ने बताया कि ट्रॉमा के शुरुआती मिनट महत्वपूर्ण होते हैं। समय पर प्राथमिक सहायता घायल की जान बचाने में अहम भूमिका निभा सकती है। कार्यक्रम का उद्देश्य लोगों



को मेडिकल टीम पहुंचने तक प्रभावी मदद के लिए तैयार करना रहा।

अग्नि सचेतकों को मिले प्रमाण पत्र, रोजगार के अवसरों के लिए किया प्रोत्साहित



कपिल चौहान

गाजियाबाद (वेलकम इंडिया)। अग्नि सुरक्षा के प्रति जागरूकता बढ़ाने और लोगों को आत्मनिर्भर बनाने के उद्देश्य से सोमवार को फायर स्टेशन

कोतवाली, गाजियाबाद में सात दिवसीय फायर सेफ्टी प्रशिक्षण कार्यक्रम के प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र वितरित किए गए।

अग्निशमन तथा आपात सेवा मुख्यालय, लखनऊ, उत्तर प्रदेश के

आदेशानुसार आयोजित इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में इच्छुक व्यक्तियों और महिलाओं ने भाग लिया।

कार्यक्रम मुख्य अग्निशमन अधिकारी, कमिश्नरेट गाजियाबाद की निर्देशन तथा अग्निशमन अधिकारी,

कोतवाली के नेतृत्व में संपन्न हुआ। प्रशिक्षण के दौरान प्रतिभागियों को अग्नि सुरक्षा के आवश्यक नियमों, आग लगने की स्थिति में बचाव के उपायों और आपात परिस्थितियों में बरती जाने वाली सावधानियों की जानकारी दी गई।

प्रमाण पत्र वितरण का उद्देश्य प्रशिक्षित अग्नि सचेतकों का उत्पादक वर्धन करना और उन्हें रोजगार के अवसर प्राप्त करने के लिए प्रोत्साहित करना है। इस पहल से महिलाओं एवं अन्य प्रशिक्षित प्रतिभागियों को आत्मनिर्भर बनने में मदद मिलने के साथ समाज में अग्नि सुरक्षा के प्रति जागरूकता बढ़ाने की उम्मीद है।

ट्रैक्टर-ट्रॉली ने छिनी 11 साल की दिविषा की जिंदगी, भाई गंभीर घायल

वेलकम इंडिया संवाददाता

गाजियाबाद। इंदिरापुरम के नीतिखंड इलाके में सोमवार दोपहर तेज रफ्तार ट्रैक्टर-ट्रॉली की टक्कर से 11 वर्षीय दिविषा की मौत हो गई, जबकि उसका 18 वर्षीय भाई गंभीर रूप से घायल हो गया। हादसा जयपुरिया मॉल के पास दोपहर करीब दो बजे



हुआ। घटना के बाद परिवार में मातम छा गया। जानकारी के अनुसार,

दिविषा अपने बड़े भाई के साथ स्कूटी से जरूरी सामान लेने घर से निकली थी। इसी दौरान पीछे से आ रही बजरी से भारी तेज रफ्तार ट्रैक्टर-ट्रॉली ने उनकी स्कूटी में जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर लगने से दोनों भाई-बहन सड़क पर गिर पड़े। इस दौरान दिविषा ट्रॉली के पहिए के नीचे आ गई, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो

गई। घायल भाई को उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। सूचना मिलने पर इंदिरापुरम थाना पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर जांच शुरू की। पुलिस ने ट्रैक्टर-ट्रॉली को कब्जे में लेकर फरार चालक की तलाश शुरू कर दी है। मामले में आगे की कानूनी कार्रवाई की जा रही है।

गाजियाबाद में 3358 के बजाय अब 3074 मतदेय स्थल प्रस्तावित, 21 अक्टूबर तक मांगे सुझाव

राजनीतिक दलों से सूची की जांच कर आपत्तियां दर्ज कराने की अपील, 24 और 25 अक्टूबर को बूथों पर बैठेंगे बीएलओ



वेलकम इंडिया संवाददाता

गाजियाबाद। जिले में मतदेय स्थलों के सम्भाजन के बाद 3358 के स्थान पर अब 3074 मतदेय स्थल प्रस्तावित किए गए हैं। इस संबंध में जिला निर्वाचन अधिकारी राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों से 21 अक्टूबर 2026 तक सुझाव और आपत्तियां मांगी हैं। कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित बैठक में उप जिला निर्वाचन अधिकारी अंजनी कुमार सिंह ने राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों और संबंधित विधानसभा क्षेत्रों के निर्वाचक रजिस्ट्रिकरण अधिकारियों को प्रस्तावित सूची उपलब्ध कराई।

उन्होंने बताया कि 1200 मतदाताओं के आधार पर मतदेय स्थलों का भौतिक सत्यापन करने के बाद नई सूची तैयार की गई है। प्रस्ताव के अनुसार लोनी में 540, मुरादनगर में 504, साहिबबाद में 1034, गाजियाबाद में 489, मोदीनगर में 382 और धौलाना आंशिक क्षेत्र में 125 मतदेय स्थल प्रस्तावित हैं। राजनीतिक दलों से कहा गया है कि वे सूची का परीक्षण कर अपनी आपत्तियां संबंधित एसडीएम, ईआरओ या जिला निर्वाचन कार्यालय में 21 अक्टूबर तक जमा कराएं। आपत्तियों पर विचार के बाद अंतिम सूची 27 अक्टूबर को मुख्य निर्वाचन

अधिकारी, उत्तर प्रदेश को अनुमोदन के लिए भेजी जाएगी। इसके अलावा 24 और 25 अक्टूबर को विशेष अभियान के तहत बीएलओ अपने-अपने बूथों पर उपस्थित रहेंगे। एक जनवरी 2027 को अर्हता तिथि मानकर चल रहे मतदाता सूची पुनरीक्षण के तहत पात्र नए मतदाताओं और सूची से छूटे लोगों के फार्म-6 भरवाने की अपील की गई है। अधिकारियों ने बताया कि 22 अक्टूबर तक फार्म-6 भरवाने का प्रयास किया जाए, ताकि पात्र मतदाताओं के नाम 12 नवंबर को प्रकाशित होने वाली आलेख्य मतदाता सूची में शामिल हो सकें।

37 करोड़ से बढ़लेगी इंद्रप्रस्थ योजना की सूरत

गाजियाबाद। टीला मोड़ थाना क्षेत्र की इंद्रप्रस्थ योजना में रहने वाले लोगों के लिए राहत भरी खबर है। लंबे समय से जर्जर सड़कों और जलभराव की समस्या से जूझ रहे क्षेत्रवासियों को जल्द ही इन परेशानियों से निजात मिलने की उम्मीद है। योजना में करीब 37 करोड़ रुपये की लागत से सड़क, नाले-नालियों और सीवर से जुड़े विकास कार्य कराए जा रहे हैं। रविवार दोपहर लोनी विधायक नंदकिशोर गुर्जर ने सड़क निर्माण कार्य का शुभारंभ किया। इंद्रप्रस्थ योजना और आसपास की कॉलोनिनों में खराब सड़कों के कारण लोगों को रोजाना आवागमन में परेशानी होती थी। बारिश के दौरान जलभराव की समस्या और गंभीर होती थी। इससे वाहन चालकों के साथ स्कूली बच्चों, बुजुर्गों और स्थानीय निवासियों की भी दिक्कतों का सामना करना पड़ता था। विकास कार्य पूरे होने के बाद क्षेत्र की सड़कों और जल निकासी व्यवस्था में सुधार होने की उम्मीद है। विधायक नंदकिशोर गुर्जर ने कहा कि प्रदेश सरकार क्षेत्र के विकास को लगातार आगे बढ़ा रही है। लोनी में सड़क, नाली, पानी, बिजली और शिक्षा सहित विभिन्न क्षेत्रों में विकास कार्य कराए गए हैं। उन्होंने कहा कि लोनी विकास के मॉडल के रूप में उभर रहा है और लोगों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराना प्राथमिकता है।